MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 28 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-266

बैंक 'हठ'ताल टली

माँगों पर विचार के लिए बनेगी कमेटी

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच रविवार को हुई बैठक के बाद प्रस्तावित बैंक हड़ताल टाल दी गई है। बैठक में बैंक सुधार, स्केल-4 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए प्रदर्शन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में बदलाव समेत अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। रविवार रात करीब 9:30 बजे इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की बैंक हड़ताल को लेकर बैठक हुई। इस बैठक में बैंक यूनियनों की मांगों समेत अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच कुछ फैसलों को लेकर सहमति बनी।

शनिवार की छुट्टी के मुद्दे पर बनेगी उच्चस्तरीय समिति

शनिवार को छुट्टी घोषित किए जाने के मुद्दे पर इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति सभी संभावित विकल्पों पर विचार करेगी और हितधारकों के साथ चर्चा कर समाधान निकालने का प्रयास करेगी, जिससे किसी को भी असुविधा न हो। समिति ऐसा समाधान तलाशने की कोशिश करेगी, जो बैंक यूनियनों और ग्राहकों, दोनों को स्वीकार्य हो।

पीएलआई योजना में बदलाव पर सरकार को भेजा जाएगा प्रस्ताव

वहीं, स्केल-4 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए प्रदर्शन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को लेकर यूनियनों और एसोसिएशनों की आपत्तियों एवं सुझावों को ध्यान में रखते हुए इसमें बदलाव का प्रस्ताव सरकार को भेजे जाने पर आईबीए के साथ चर्चा शुरू की जाएगी। इसके अलावा, 8 मार्च 2024 की बैठक के कार्यवृत्त (मिनट्स) में दर्ज अन्य मुद्दों के समाधान के लिए भी दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रहेगी।

प्रस्तावित आंदोलन और हड़ताल का कार्यक्रम टाला

इन सभी फैसलों को देखते हुए यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने प्रस्तावित आंदोलन और हड़ताल के कार्यक्रमों को टालने पर सहमति जताई। इसके बाद बैंकों की प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल टल गई है।

दिल्ली थप्पड़कांड

'आप' के गुंडे को वर्मा ने पीटा

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा पर थप्पड़ मारने का आरोप लगाने वाले साहिब सिंह पर पहले भी मारपीट का मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। साहिब सिंह पर नगर निगम (एमसीडी) के एक सफाई कर्मचारी के साथ मारपीट का आरोप लगा था और इस संबंध में दिल्ली के तिलक नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस मामले में साहिब सिंह की गिरफ्तारी भी हुई थी और फिलहाल वह जमानत पर है।

जानकारी के मुताबिक, 2 जून 2026 को दर्ज इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज भी हासिल की थी। बताया गया है कि फुटेज में साहिब सिंह आरोपी के तौर पर एमसीडी कर्मचारी के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहा है। साहिब सिंह आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक जरनैल सिंह के सोशल मीडिया अकाउंट का काम संभालता है।

भाजपा ने वीडियो साझा कर लगाए आरोप

भाजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो साझा करते हुए साहिब सिंह पर आरोप लगाए और कहा कि मंत्री प्रवेश वर्मा के परिवार के साथ बदसलूकी करने वाला व्यक्ति एमसीडी कर्मचारी की पिटाई के मामले में भी आरोपी रहा है। भाजपा ने यह भी कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के साथ गिरफ्तारी भी हुई थी। इन आरोपों को भाजपा के दावे के रूप में देखा जाना चाहिए।

प्राथमिकी में धन बहादुर ने दर्ज कराया बयान

प्राथमिकी के मुताबिक, शिकायतकर्ता धन बहादुर, निवासी डब्ल्यूजेड-23, बेरीवाला बाग, हरि नगर, दिल्ली, ने पुलिस को बताया कि वह एमसीडी में अस्थायी कर्मचारी है। 2 जून 2026 को उसकी ड्यूटी कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नंबर डीएल 1एलवाई 8111 पर सहायक के तौर पर लगी थी। वह चालक मुकेश के साथ वार्ड नंबर 103 में कूड़ा उठाने गया था।

शिकायत के अनुसार, करीब सुबह 11 बजे जब कूड़ा उठाने वाली गाड़ी डब्ल्यूजेड-148, कृष्णापुरी पहुंची, तो एक लड़की दूसरी मंजिल से नीचे खड़ी कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में कूड़ा डाल रही थी। उसी समय वहां से एक मोटरसाइकिल गुजर रही थी। शिकायतकर्ता ने लड़की से मोटरसाइकिल को देखते हुए रुकने के लिए कहा। इसके बाद लड़की ने दूसरी मंजिल से कूड़ा नीचे फेंक दिया। ▶8पर

योगी उवाच

गौ माता है, जानवर हो तुम!

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बजरंगियों से उन लोगों से सावधान रहने की अपील की, जो राम मंदिर आंदोलन को बदनाम और अपमानित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों की तुलना रामायण के पात्र कालनेमि से की, जिसने भगवान हनुमान को धोखा देने का प्रयास किया था। मुख्यमंत्री लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के दिवंगत नेता अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग कभी राम मंदिर का विरोध करते थे, वे अब रामभक्त होने का दिखावा कर रहे हैं। उन्होंने इसे विश्व हिंदू परिषद की वैचारिक जीत बताया। योगी ने कहा कि सभी बजरंगियों को ऐसे कालनेमियों से सतर्क रहना चाहिए, जो राम के कार्य में भी घुसपैठ करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान करने पर जोर दिया और उन्हें बाबरी भक्त बताते हुए कहा कि आंदोलन में घुसपैठ की कोशिश करने वालों की साजिशों को सफल नहीं होने देना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ नकलची गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपने निकले हैं। उन्होंने कहा, जानवर तो तुम हो। गाय हमारी माता है और हमारा उनसे शाश्वत संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता को केवल जानवर कहना पशु जैसी बुद्धि का संकेत है। उन्होंने लोगों से व्यक्तिगत रूप से गौ पालन से जुड़ने की अपील की।

कांग्रेस पर भी लगाए आरोप

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि राम और कृष्ण का अस्तित्व नहीं है। उन्होंने इसे हिंदुओं का अपमान बताया। योगी ने कहा कि अयोध्या ने करीब 475 वर्षों तक अपमान झेला। उनके मुताबिक, पहले अयोध्या में सड़क, बिजली, बुनियादी सुविधाओं और सफाई की कमी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद राम की पैड़ी को हरिद्वार की हर की पैड़ी की तरह विकसित किया गया।

▶8पर

विजय फिर यू-टर्न!

पुलिस आरटीआई से बाहर फैसला वापस

चेन्नई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को सार्वजनिक (कानून एवं व्यवस्था) विभाग को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम से छूट देने का आदेश वापस ले लिया। सरकार ने यह आदेश जारी होने के कुछ ही घंटों बाद वापस लिया। 21 सितंबर को जारी आदेश में विभाग को आरटीआई अधिनियम की धारा 24(4) के तहत ङ्खखुफिया एवं सुरक्षा संगठनफ के रूप में अधिसूचित किया गया था।

इस आदेश के तहत पुलिस कार्रवाई, मानवाधिकार शिकायतों, राजनीतिक प्रदर्शनों, हिरासत में मौत, कथित पुलिस यातना, पुलिस गोलीबारी और कानून-व्यवस्था से जुड़े अन्य मामलों से संबंधित कई सूचनाओं को आरटीआई के दायरे से बाहर किया जाना था। विभाग छात्र और कृषि श्रमिकों के आंदोलनों तथा राजनीतिक आधार पर दर्ज मामलों को वापस लेने संबंधी अनुरोधों से जुड़े मामलों को भी देखता है।

आदेश जारी होने के बाद सरकार के सहयोगी दलों और पारदर्शिता के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं की ओर से इसका विरोध किया गया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद सु वेंकटेशन ने भी फैसले पर सवाल उठाए। ▶8पर

छात्रा की मौत पर पिता का आरोप

लव जिहादी गैंगरेप?

गुवाहाटी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। असम के गुवाहाटी में एक होमस्टे में 22 वर्षीय छात्रा मृत पाई गई। छात्रा के परिवार ने आरोप लगाया है कि सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। छात्रा के पिता ने रविवार सुबह मीडिया को बताया कि उन्होंने बेटी के शरीर पर चोट के कई निशान देखे हैं। उनका आरोप है कि हत्या से पहले बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था।

छात्रा के पिता के अनुसार, आधी रात को बेटी का फोन आया था। वह केवल इतना कह सकी, वो मुझे मार डालेंगे। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। परिवार को आशंका है कि इसके बाद उससे फोन छीन लिया गया होगा। घटना के बाद पुलिस ने छात्रा के साथ ठहरे 26 वर्षीय उसके प्रेमी आसिफ अली को गिरफ्तार किया है। हालांकि, आसिफ का दावा है कि छात्रा ने आत्महत्या की थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

आजरा इलाके में स्थित होमस्टे के केयरटेकर बिपुल बाइलुंग ने बताया कि दोनों कमरा नंबर-10 में ठहरे हुए थे। दोनों ने रात करीब साढ़े 9 बजे खाने का आदेश दिया था। इसके बाद रात करीब ढाई बजे किसी पुरुष के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। वह कह रहा था, उठो, उठो।बाइलुंग ने बताया कि जब वे आवाज की दिशा में गए तो देखा कि कमरा नंबर-10 में लड़की फर्श पर पड़ी थी और लड़का उसकी देह को पकड़े हुए था। ▶8पर

एलपीयू में बवाल : 10 दिन यूनिवर्सिटी बंद, परीक्षा टली

जालंधर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में एक छात्रा से कथित दुष्कर्म और उसके बाद आत्महत्या की अफवाह को लेकर शुरू हुआ विरोध-प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई तथा विश्वविद्यालय परिसर में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार पुलिस ने कहा है कि कथित दुष्कर्म की घटना की पुष्टि के लिए जांच की जा रही है, जबकि विश्वविद्यालय ने सोशल मीडिया पर प्रसारित दावों को झूठा और निराधार बताया है।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प

प्रदर्शनकारी छात्रों और पुलिस के बीच झड़प के दौरान पुलिस की गाड़ियों को नुकसान पहुंचने और कुछ वाहनों में आग लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। छात्रों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव भी किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इससे पहले छात्रों ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी जाम कर दिया था।

पुलिस और छात्रों के बीच बातचीत बेनतीजा

राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस ने छात्र प्रतिनिधियों और एलपीयू प्रबंधन के साथ बातचीत की, लेकिन यह बातचीत बेनतीजा रही और छात्रों का प्रदर्शन जारी रहा। छात्रों को प्राथमिकी की प्रति और विशेष जांच दल (एसआईटी) से संबंधित जानकारी साझा किए जाने की बात भी सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ छात्र बाद में अपने ही प्रतिनिधियों की बात सुनने को तैयार नहीं थे।

एक प्रदर्शनकारी छात्र ने दावा किया कि रात में कुछ बाहरी लोग विश्वविद्यालय परिसर में आए और उन्होंने संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। छात्र का कहना था कि जब तक केवल विश्वविद्यालय के छात्र प्रदर्शन कर रहे थे, तब तक स्थिति नियंत्रण में थी। उसके बाद कुछ बाहरी लोगों के आने से तोड़फोड़ की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारी छात्र के अनुसार, विश्वविद्यालय के छात्र केवल मामले में जवाबदेही और स्पष्ट बातचीत की मांग कर रहे हैं।

डीन ने कहा– जांच के लिए तैयार

छात्र विंग के डीन सौरभ लखनपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय हर तरह की जांच के लिए तैयार है। उन्होंने छात्र प्रतिनिधियों को भी जांच में शामिल करने की बात कही। उनका कहना है कि छात्रों को सीसीटीवी फुटेज दिखाने और जांच की प्रक्रिया में शामिल कराने के लिए विश्वविद्यालय तैयार है। उन्होंने कहा कि कथित घटना और उससे जुड़ी अफवाहों की जांच की जाएगी।

विश्वविद्यालय ने अफवाहों को बताया झूठा

एलपीयू की रजिस्ट्रार डॉ. मोनिका गुलाटी ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित दावों को झूठा, निराधार और मनगढ़ंत बताया। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं, जिससे छात्रों में अनावश्यक भ्रम पैदा हो रहा है और विश्वविद्यालय के शांतिपूर्ण शैक्षणिक माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, अभिभावकों और आम लोगों से केवल आधिकारिक माध्यमों से मिलने वाली जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है।

28 सितंबर से 10 दिन कक्षाएं स्थगित

लगातार बने तनाव के बीच एलपीयू ने 28 सितंबर 2026 से 10 दिनों के लिए नियमित कक्षाएं स्थगित कर दी हैं। विश्वविद्यालय ने मध्यावधि परीक्षाएं भी अगली सूचना तक स्थगित कर दी हैं। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (यूएमएस) के माध्यम से अलग से जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने कहा है कि छात्र चाहें तो इन 10 दिनों के दौरान अपने अभिभावकों से परामर्श कर घर जा सकते हैं।

▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमेरिका के पूर्वोत्तर में तूफान से जनजीवन प्रभावित, सैकड़ों उड़ानें रद्द

न्यूयार्क

अमेरिका के पूर्वोत्तर हिस्से में तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ आए शक्तिशाली नारईस्टर तूफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। तूफान के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि न्यूयार्क, न्यू जर्सी, कनेक्टिकट और मैसाचुसेट्स में 75 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति बाधित हो गई।

न्यूयार्क, बोस्टन और फिलाडेल्फिया समेत कई शहरों और आसपास के इलाकों में खराब मौसम का असर देखा जा रहा है। मौसम अधिकारियों ने तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आने और निचले इलाकों की सड़कों पर पानी भरने की आशंका जताई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, सप्ताहांत में समुद्र में ज्वार के कई चक्रों के दौरान मिड-अटलांटिक तट पर गंभीर बाढ़ आ सकती है।

न्यूयार्क की गवर्नर कैथी होकुल ने बताया कि तूफान न्यूयार्क सिटी के तटीय इलाकों और लान्ग आइलैंड की ओर बढ़ रहा है। लान्ग आइलैंड में अगले कुछ दिनों के दौरान करीब 15 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। कुछ तटीय क्षेत्रों में छह मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी ने लोगों को तेज हवाओं और बिजली के तार गिरने के खतरे को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

सैकड़ों उड़ानें रद्द – तूफान के चलते सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुईं। फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइटअवेयर के अनुसार, अकेले बोस्टन के लोगान हवाई अड्डे पर करीब 130 उड़ानें रद्द की गईं। जेटब्लू, यूनाइटेड और अमेरिकन एयरलाइंस समेत कई प्रमुख विमानन कंपनियों ने यात्रियों को यात्रा में बदलाव की सुविधा देने के लिए अलर्ट जारी किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने भी न्यूयार्क मुख्यालय में महासभा की कवरेज कर रहे मीडिया संस्थानों से तेज हवाओं के मद्देनजर बाहर लगाए गए प्रसारण उपकरण हटाने को कहा।

कई बड़े आयोजन रद्द – खराब मौसम का असर क्षेत्र के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। न्यूयार्क में ग्लोबल सिटीजन और आल थिंग्स गो संगीत समारोह रद्द कर दिए गए, जबकि मैरीलैंड में ओशन्स कालिंग कार्यक्रम भी नहीं हो सका।

ग्लोबल सिटीजन के आयोजकों ने कहा कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कार्यक्रम रद्द करने का फैसला किया गया। यह 14 वर्षों में पहली बार था जब उन्हें कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

मैसाचुसेट्स के कुछ इलाकों में करीब 13 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान था। यह मात्रा एक महीने से अधिक की सामान्य बारिश के बराबर बताई गई। खराब मौसम के कारण ब्रिटिश पाप गायक एड शीरन के बोस्टन के पास सप्ताहांत में होने वाले संगीत कार्यक्रम भी रद्द कर दिए गए। न्यू इंग्लैंड के तट पर हवाओं की रफ्तार 105 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका जताई गई थी।

न्यूज ब्रीफ

वैश्विक एकजुटता और मजबूत तैयारियों से ही महामारियों के खतरों से निपटा जा सकता है: एंटोनियो गुटेरेस

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महामारियों को रोकने, उनसे निपटने की तैयारी करने और उनके खिलाफ ठोस कदम उठाने के लिए पूरी दुनिया से मिलकर काम करने की वकालत की है। उन्होंने साफ किया कि कोई भी देश सिर्फ अपने दम पर खुद को भविष्य की महामारियों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं रख सकता। महामारियों से निपटने के विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में उनका यह संदेश संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद द्वारा पढ़ा गया। गुटेरेस ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने दुनिया को कड़वा सबक सिखाया है कि आपस में गहराई से जुड़ी इस वैश्विक व्यवस्था में सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास अनिवार्य हैं। भविष्य की किसी भी स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए लंबी अवधि की मजबूत तैयारियों को आवश्यक बताकर उन्होंने कहा कि यह रूपरेखा सभी के लिए बराबरी, आपसी सहयोग और प्रभावी साझेदारी पर आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा, विज्ञान के अधिकाधिक उपयोग, लोकल समुदायों की सक्रिय भागीदारी और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस ने वैश्विक स्तर पर फंडिंग की भारी कमी को दूर करने की आवश्यकता पर जोर देकर सरकारों से अपील की कि वे अपने वादों को पूरा करें और लोगों की जान बचाने के लिए निरंतर संसाधन उपलब्ध कराएं। उन्होंने वन हेल्थ यानी एक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण को अपनाने की बात कही, जिसके तहत इंसानों की सेहत को पर्यावरण और जानवरों के स्वास्थ्य से जोड़ा गया है ताकि प्रकोप को इंसानों तक पहुंचने से पहले ही रोका जा सके।

मगरमच्छों के पाचन तंत्र में पत्थरों की होती है खास भूमिका: विशेषज्ञ

वाशिंगटन। क्या आप जानते हैं कि मगरमच्छ छोटे-छोटे पत्थर भी निगलता है मगरमच्छों के पाचन तंत्र में इन पत्थरों की खास भूमिका बताई जाती है। इन्हें गैस्ट्रोलिथ कहा जाता है। ये पत्थर मगरमच्छ के पेट में रहकर भोजन को छोटे हिस्सों में तोड़ने में मदद कर सकते हैं। मगरमच्छ अपने शिकार को इंसानों की तरह चबाकर नहीं खाता। कई बार वह मांस और दूसरे ऊतकों को बड़े टुकड़ों में ही निगल जाता है। शिकार के साथ हड्डियां और अन्य कठोर हिस्से भी उसके पेट में पहुंच सकते हैं। ऐसे में पेट में मौजूद गैस्ट्रोलिथ भोजन को यांत्रिक रूप से पीसने में मदद करते हैं। इसे प्राकृतिक ग्राइंडर की तरह समझा जा सकता है, जो भोजन के बड़े टुकड़ों को छोटे हिस्सों में बदलने में योगदान देता है। इसके साथ ही मगरमच्छ के पेट में मौजूद मजबूत गैस्ट्रिक अम्ल भी पाचन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन को रासायनिक रूप से तोड़ने में मदद करता है। जब शिकार के साथ हड्डियां या अन्य कठोर पदार्थ पेट में पहुंचते हैं, तो गैस्ट्रिक अम्ल उनके टूटने और पाचन की प्रक्रिया में योगदान दे सकता है। इस तरह गैस्ट्रोलिथ और पेट का अम्ल अलग-अलग तरीकों से पाचन में मदद करते हैं।

100 साल बाद वैज्ञानिकों ने पहचानी जंगली बिल्ली की नई प्रजाति

न्यूर्याक। बोलीविया के वैज्ञानिकों ने जंगली बिल्ली की एक ऐसी प्रजाति की पहचान की है, जिसे विज्ञान ने अब तक अलग प्रजाति के रूप में दर्ज नहीं किया था। बादलों से ढके युंगास के पहाड़ी जंगलों में करीब 46 सेंटीमीटर लंबी और लगभग 1.4 किलोग्राम वजन वाली यह बिल्ली आकार में सामान्य घरेलू बिल्ली से भी छोटी है। वैज्ञानिकों ने इसका नाम लेपर्डस तिलकायो रखा है। स्थानीय स्तर पर इसे तिलकायो नाम से जाना जाता है। खास बात यह है कि इस प्रजाति का एक नर बिल्ली कुछ समय तक स्थानीय परिवार के घर में पाला भी जा रहा था। शोधकर्ताओं के मुताबिक, तिलकायो दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले टाइगर कैट समूह का हिस्सा है। वैज्ञानिक रूप से किसी जीवित नई बिल्ली प्रजाति की औपचारिक पहचान लंबे समय बाद हुई है। इस बिल्ली का शरीर हल्के भूरे रंग का है और उस पर अनियमित आकार की रोसेट जैसी धारियां दिखाई देती हैं। इसके छोटे आकार के बावजूद इसकी आनुवंशिक पहचान ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा। इस खोज में 10 साल के एक नर तिलकायो की भूमिका खास रही। वह पहले एक स्थानीय परिवार के घर में रहता था। बाद में उसे सेंदा वर्दे वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया। शोधकर्ताओं को उसकी शारीरिक बनावट मौजूदा टाइगर कैट प्रजातियों से अलग लगी।

मिसाइल युग से आगे निकला अमेरिका ला रहा लेजर ड्रोन शिकारी हेलियोस

वाशिंगटन

मध्य पूर्व में ड्रोन और मिसाइलों के बढ़ते खतरों के बीच, अमेरिका अपनी सैन्य क्षमताओं को एक नए आयाम दे रहा है। अमेरिकी नौसेना ने हाई-एनर्जी लेजर हथियार हेलियोस तैयार किया है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक मिसाइलों का उपयोग किए बिना ड्रोन और अन्य हवाई खतरों का मुकाबला करना है। यह हेलियोस (हाई-एनर्जी लेजर इंटीग्रेटेड आप्टिकल डिसरप्टर) 60 किलोवाट श्रेणी का शक्तिशाली लेजर हथियार है। हेलियोस को विशेष रूप से अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें यूएसएस प्रेबल पर इसकी तैनाती की जा चुकी है।

हेलियोस का मुख्य कार्य ड्रोन को निशाना बनाना, उनके सेंसर को निष्क्रिय करना और दुश्मन के निगरानी उपकरणों से निपटना है। पारंपरिक मिसाइल दागने के बजाय, हेलियोस ऊर्जा की एक केंद्रित किरण का उपयोग करके लक्ष्य को भेदता है। अमेरिकी नौसेना के अनुसार, इसका उद्देश्य मानव रहित हवाई वाहनों, छोटी नौकाओं और दुश्मन के आईएसआर (खुफिया, निगरानी और टोही) सेंसर जैसे लक्ष्यों से निपटना है। इस प्रणाली को भविष्य में और अधिक शक्तिशाली बनाने की क्षमता भी रखी गई है। अमेरिकी नौसेना की 2025 की रक्षा रिपोर्ट में ड्रोन के खिलाफ इसके परीक्षण का भी उल्लेख किया गया है।

इस लेजर प्रणाली के तहत, पहले रडार और अन्य सेंसर की मदद से ड्रोन का पता लगाया जाता है। इसके बाद, आप्टिकल सिस्टम लक्ष्य को ट्रैक करता है और लेजर बीम को ड्रोन के कमजोर हिस्से पर केंद्रित करता है। तकनीकी विवरण के अनुसार, आपरेटर ड्रोन की तस्वीर देखकर उसके कमजोर बिंदु की पहचान कर सकता है, जिसके बाद तेज गति से घूमने वाले दर्पण लेजर बीम को लगातार उसी स्थान पर केंद्रित रखते हैं। यह प्रक्रिया प्रत्येक लक्ष्य के लिए महंगी इंटरसेप्टर मिसाइल दागने की आवश्यकता को समाप्त करती है, जिससे लागत में बड़ी बचत होती है। 2014 में फारस की खाड़ी में ऐसे ही लेजर सिस्टम के शुरुआती परीक्षण हुए थे, जिसमें ड्रोन और समुद्री लक्ष्यों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया था।

लेजर हथियारों का एक बड़ा फायदा यह है कि छोटे ड्रोनों को रोकने के लिए बार-बार महंगी इंटरसेप्टर मिसाइलें खर्च नहीं करनी पड़तीं। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं।

पहली नजर में प्यार हुआ था, मैं तुम्हें हमेशा और हमेशा प्यार करता रहूंगा, हालीवुड अभिनेता माइकल ने कैथरीन के जन्मदिन पर लिखा-भावुक पोस्ट

लास एंजिलिस। हालीवुड अभिनेता माइकल डगलस ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री कैथरीन जीटा-जोन्स के साथ जन्मदिन के मौके पर उनके लिए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि फिल्मी पर्दे पर उन्हें पहली बार किसी से प्यार तब हुआ, जब उन्होंने कैथरीन को देखा। माइकल डगलस ने इंस्टाग्राम पर कैथरीन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में अपनी आने वाली पुस्तक वन हेलुवा राइड का एक अंश भी लिखा। उन्होंने लिखा- फिल्मी पर्दे पर मुझे कभी किसी से प्यार नहीं हुआ था, जब तक मैंने कैथरीन को नहीं देखा था। वह सिर्फ खूबसूरत ही नहीं थीं, बल्कि उनमें एक ऐसा जादू था जो सुंदरता से कहीं बढ़कर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माइकल ने लिखा- मुझे उतना यकीन पहले कभी किसी बात पर नहीं हुआ था, जितना इस बात पर था कि वही मेरी जीवनसाथी हैं। जिंदगी में ऐसा पल शायद सिर्फ एक बार आता है, जब आपको बिना किसी शक के महसूस होता है कि आप किसी खास इंसान के साथ रहने के लिए बने हैं। जन्मदिन मुबारक हो, कैथरीन। मैं तुम्हें हमेशा और हमेशा प्यार करता रहूंगा। कैथरीन जीटा-जोन्स ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- धन्यवाद डार्लिंग। तुम्हें भी जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, मेरे प्यार। बता दें माइकल डगलस और कैथरीन जीटा-जोन्स ने साल 2000 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं- डिलन (24) और कैरीज़ (21)। उनकी पहली मुलाकात अगस्त 1998 में फ्रांस के डोविल अमेरिकन फिल्म फेस्टिवल में हुई थी, जहां अभिनेता डैनी डेविटो ने दोनों का परिचय कराया था। दोनों ने 31 दिसंबर 1999 को सगाई की और 18 नवंबर 2000 को न्यूयार्क में शादी की। माइकल डगलस की यह दूसरी शादी थी। इससे पहले उनकी शादी डायंड्रा लुकर से हुई थी, जिनसे उनका एक बेटा कैमरून डगलस है।

जयशंकर ने न्यूयार्क में कनाडा मैक्सिको और वेनेजुएला के विदेशमंत्रियों से मुलाकात की

न्यूयार्क

भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान कनाडा, मैक्सिको और वेनेजुएला के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग मुलाकात कर बैठक की। जयशंकर ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी सचित्र साझा की।

भारत के विदेशमंत्री जयशंकर ने कहा कि उन्होंने कनाडा की विदेशमंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की और उनसे सार्थक चर्चा की। दोनों पक्ष अपने संबंधों को एक ऊंचे स्तर पर ले जाने की तैयार हैं। जयशंकर ने मैक्सिको के विदेशमंत्री राबर्टो वेलास्को अल्वारेज़ के साथ अपनी बैठक की जानकारी भी साझा की।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वेनेजुएला के विदेशमंत्री फेलिक्स प्लासेंसिया गोंजालेज के साथ उनकी अच्छी बैठक हुई। दोनों देशों के बीच ऊर्जा संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों के अलावा, हमारे ऊर्जा संबंध भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमने मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की।

जयशंकर ने इससे पहले 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को ग्लोबल साउथ के साथ अपनी साझेदारी एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है।

एआई मानव सशक्तिकरण, आर्थिक समृद्धि और आबादी से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए एक परिवर्तनकारी कारक है। उन्होंने तकनीक के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक समझ की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पाल-बेलारूस के बीच राजनयिक और सरकारी पासपोर्ट धारकों को वीजा छूट का समझौता

काठमांडू। नेपाल और बेलारूस के बीच राजनयिक, सरकारी तथा सेवा पासपोर्ट धारकों को वीजा छूट देने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अवसर पर न्यूयार्क में आयोजित एक साइडलाइन कार्यक्रम में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और बेलारूस के विदेश मंत्री मैक्सिम रिजेनकोव ने दोनों सरकारों की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर से पहले दोनों विदेश मंत्रियों के बीच सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों देशों के आपसी हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

जिनपिंग की अमेरिका यात्रा बिना किसी बड़ी व्यापार डील और एआई के समाप्त

ट्रंप ने शी को ईरान को किसी भी तरह की मदद न देने की दी सख्त चेतावनी

वाशिंगटन

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पूरी कर ली और वाशिंगटन से चीन के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार, ईरान, यूक्रेन, ताइवान और एआई जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, यात्रा का समापन बिना किसी बड़ी नई व्यापार डील या एआई पर ठोस समझौते के हुआ, जबकि ट्रंप ने ईरान को लेकर चीन को सीधी चेतावनी दी। ट्रंप ने इस यात्रा में शी जिनपिंग को ईरान को सीधे या परोक्ष रूप से किसी भी तरह की मदद न देने की सख्त चेतावनी दी।

मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के चीन में राजदूत डेविड पर्ड्यू के मुताबिक ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईरान को ऐसी मदद देना अमेरिका को स्वीकार्य नहीं होगा। चीन की ओर से अमेरिका को यह भरोसा दिलाया कि वह ईरान को ऐसी मदद नहीं देगा। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि चीन से ईरान को हथियार और सैन्य मदद मिल सकती है, साथ ही ईरान पर लगे प्रतिबंधों से बचने के लिए चीन के जरिए तेल बेचने की कोशिशों की भी खबरें हैं। ईरान का मुद्दा होर्मुज संकट के कारण चीन के लिए भी अहम है, क्योंकि चीन पश्चिम एशिया से बड़े पैमाने पर तेल खरीदता है और होर्मुज से तेल की आवाजाही प्रभावित होने का सीधा असर उसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

शीदोनों देशों ने पहले से चल रहे व्यापार युद्धविराम को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई, जो एक राहत भरी खबर थी, खासकर अमेरिकी किसानों के लिए। शी जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका और चीन की जिम्मेदारी है कि एआई का विकास इंसानों के नियंत्रण में रहे, लेकिन ट्रंप और जिनपिंग की इस बैठक में एआई की होड़ को रोकने या दोनों देशों के बीच कोई बड़ी नई व्यवस्था बनाने की घोषणा नहीं हुई। यूक्रेन और ताइवान जैसे कुछ अन्य रणनीतिक प्रतिस्पर्धा वाले मुद्दों पर मतभेद बने रहे और उनका पूरी तरह से समाधान नहीं हो सका।

रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग के रवाना होते ही ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर दोनों नेताओं और उनकी पत्नियों, मेलानिया ट्रंप और पेंग लियुआन की एक तस्वीर साझा की, जिस पर अमेरिका इज बेक लिखा था। तीन दिवसीय यात्रा में ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति का बहुत ही भव्य स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने व्हाइट हाउस और नेशनल आर्काइव्स का दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिका के ऐतिहासिक दस्तावेजों का अवलोकन किया और बाद में साथ में चाय भी पी।

रूस का यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन

न्यूयार्क

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। हम ब्राजील और भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं। लावरोव ने सुरक्षा परिषद में पश्चिमी देशों की अतिरिक्त सीटों का विरोध किया।

उन्होंने खासतौर पर जर्मनी और जापान का नाम लेते हुए उन पर सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप लगाया। लावरोव ने साथ ही कहा कि यूएनएससी में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कमी नहीं होनी चाहिए।

जर्मनी-जापान का विरोध किया, सुरक्षा परिषद में 5 परमानेंट मेंबर, भारत 8 बार अस्थायी सदस्य रहा

दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसतन सालाना विकास दर 7 प्रतिशत से ज्यादा रही है। यह चीन के बाद किसी भी दूसरे बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस आर्थिक ताकत को यूएनएससी में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत परमाणु शक्ति संपन्न है, लेकिन वो इसका दिखावा नहीं करता। अगर भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल किया जाता है तो परमाणु निरस्त्रीकरण प्रोग्राम में वह अहम भूमिका निभा सकता है। इंटरनेशनल थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल के सर्वे के मुताबिक यदि अगले एक दशक में यूएनएससी का विस्तार होता है तो उसमें सबसे ज्यादा मौके भारत के लिए होंगे। एक्सपर्ट्स के बीच कराए गए सर्वे के अनुसार, भारत के स्थायी सदस्य बनने की संभावना 26 प्रतिशत रहेगी। भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 से जारी भारत की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग 1990 के दशक से उठती रही है। 2008 से यूएन में सुरक्षा परिषद सुधार पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई। 2010 में भारत ने ब्राजील, जर्मनी और जापान के साथ जी4 समूह बनाकर स्थायी सीट की मांग आगे बढ़ाई। 2026 में भी सुधार को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन सदस्य देशों के बीच यूएनएससी के नए ढांचे पर सहमति नहीं बनी है। परिषद के सदस्य 15, वीटो राइट सिर्फ 5 को सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य हैं। इनमें 5 स्थायी सदस्य- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन हैं। इन सबको वीटो पावर हासिल है। इसके अलावा 10 गैर-स्थायी सदस्य होते हैं, जिन्हें 2 साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बढ़ाने के लिए यूएन चार्टर में बदलाव करना होगा। इसके लिए महासभा में दो-तिहाई बहुमत और दो-तिहाई सदस्य देशों की औपचारिक मंजूरी जरूरी है। इसमें सभी पांच मौजूदा स्थायी सदस्यों की मंजूरी भी आवश्यक है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान–पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा–प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें. किसी के बहकावे में आकर कोई ऐसा निर्णय ना लें जिसके कारण आपको शर्मिंदा होना पड़े.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी. पारिवारिक सदस्यों एवं मित्रों संग मौज–मस्ती में समय व्यतीत होगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे. शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं. मन्दिर में मिट्टी का बर्तन दान करें, आपको सबका सपोर्ट मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय रहेगा और आपके बच्चे आपके लिए गर्व का स्रोत बनेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्वपूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 28 सितंबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 07:15 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 10:16 तक
योग : ध्रुव प्रातः 08:53 तक
करण : तैतिल प्रातः 08:10 तक
चन्द्रराशि : रेवती प्रातः 10:16 तक
सूर्योदय : 06:05 ,सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:08 , सूर्यास्त 06:11 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : द्वितीया श्राद्ध , गण्डमूल चालू है , पंचक प्रातः 08:16 तक , भगतसिंह जयंती

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनप्रिया फ्लैट्स में गणेश लड्डू की भव्य नीलामी, महेश अग्रवाल ने जीता लड्डू

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरूरनगर स्थित बृंदावन कॉलोनी के जनाप्रिया फ्लैट्स में विराजित महाराज श्री गणेश पंडाल में गणेश उत्सव के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में गणेश लड्डू की विशेष नीलामी आयोजित की गई, जिसमें तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने लड्डू अपने नाम किया।

नीलामी के दौरान श्रद्धालुओं एवं अपार्टमेंट निवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। महेश अग्रवाल के लड्डू अपने नाम करने पर उपस्थित लोगों ने उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर वेंकटेश्वरलू, अध्यक्ष सत्यनारायण, चंद्रशेखर रेड्डी, पुल्लुरी सतीश, गोवर्धन सहित अपार्टमेंट पदाधिकारी एवं गणेश उत्सव समिति के सदस्य उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने महेश अग्रवाल का सम्मान कर गणेश उत्सव में उनके सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

गणेश उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। बच्चों, महिलाओं एवं अपार्टमेंट के अन्य निवासियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल ने आयोजन समिति एवं जनाप्रिया फ्लैट्स के निवासियों को गणेश उत्सव के सफल आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में एकता, सद्भावना, संस्कार एवं सेवा भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर ङ्गगणपति बप्पा मोरयाफ के जयघोष से गूंज उठा।

मराठा नवयुवक मंडल, काटेदान द्वारा गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में अन्नदान का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर बालाजी वाडीकर, सचिन तलभुगे, सूर्यकांत कवडगावे, विजय पाटील, ज्ञानेश्वर बिरादार, महादेव पाटील, हंसराज बिरादार, विष्णू बिरादार व भक्ती वाडीकर ने सेवा दी। गणेश अनुरागिनी पद्मावती वाडीकर के नेतृत्व में महिलाओं ने तन, मन, धन से सहयोग दिया।

एल.बी. स्टेडियम के पास सिखवाल ब्राह्मण समाज के भव्य पंडाल के समीप सिखवाल गणेश उत्सव समिति, फिलखाना द्वारा संस्था के अध्यक्ष भगवान व्यास का शाल, साफा एवं माला पहनाकर सम्मान करते हुए उत्सव समिति के कैलाश उपाध्याय, विनोद नागला एवं मुकेश व्यास। इस अवसर पर रामदेव नागला, रामप्रकाश नागला, रामदेव उपाध्याय, सुनील व्यास (सर), जगमोहन तिवारी, विष्णुगोपाल तिवारी व अन्य उपस्थित थे।

दयालजी–जगदीशजी व्यास परिवार, धाकड़ी वाला द्वारा गणेश विसर्जन के अवसर पर गणपति भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए श्री एवं श्रीमती भगवान व्यास, श्रीकिशन व्यास एवं नरसिंह व्यास।

श्रीमद्भागवत कथा की भव्य तैयारियों के साथ भूमि पूजन संपन्न

पितृपक्ष के अवसर पर प्रतिदिन कथा के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद रूपी भोजन की व्यवस्था

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर के प्रांगण, एनएम गुड़ा चौरस्ता, अतापुर, हैदराबाद में किया जाएगा। श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन की अंतिम तैयारियों को लेकर रविवार, 27 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित की गई। बैठक अग्रवाल समाज अतापुर के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण फोगलिया की अध्यक्षता में हुई।बैठक में पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के लिए बनाए गए सभी संयोजकों से तैयारियों की जानकारी ली गई। कार्यक्रम के सभी संयोजकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई तथा शेष कार्यों की रूपरेखा के अनुसार उन्हें समय पर पूरा करने का अनुरोध किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन स्थल पर भगवान गणेश की प्रतिमा की पूजा–अर्चना एवं भूमि पूजन किया गया। मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज हैदराबाद–सिकंदराबाद के जिला अध्यक्ष श्री मनोज कुमार सोमाणी तथा विशेष अतिथि अग्रवाल समाज अतापुर के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण फोगलिया ने भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की पूजा–अर्चना कर भूमि पूजन संपन्न कराया।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने भूमि पूजन के मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार सोमाणी, जिला अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज हैदराबाद–सिकंदराबाद का शॉल एवं मोती की माला पहनाकर सम्मान किया। विशेष अतिथि श्री सत्यनारायण फोगलिया का भी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने शॉल एवं मोती की माला से सम्मान किया।

श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा में मुख्य यजमान के रूप में श्री अंजनी कुमार अग्रवाल (डीआरएस), पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना को मनोनीत किया गया है। सह मुख्य यजमान श्री सत्यनारायण फोगलिया, अध्यक्ष अग्रवाल समाज अतापुर को बनाया गया है।

दैनिक यजमानों में श्री मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना, श्री राम निरंजन अग्रवाल, प्रसिद्ध उद्योगपति, श्री मुकेश कुमार लोया, प्रसिद्ध उद्योगपति, श्री वेणुगोपाल तोतला, प्रसिद्ध उद्योगपति, श्री कमल किशोर कांकाणी, प्रसिद्ध समाजसेवी, श्री बृज गोपाल असावा, मैनेजिंग डायरेक्टर महेश कोऑपरेटिव बैंक, श्री राजेंद्र बेहवाल, प्रसिद्ध उद्योगपति, श्री अशोक कुमार हीरावत जैन, प्रसिद्ध उद्योगपति तथा श्री धनराज महेंद्र कुमार सिंग्रोडिया शामिल हैं। सभी ने अपनी स्वीकृति समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी को दी है। इसके अलावा अन्य धार्मिक आस्था रखने वाले गणमान्य बंधुओं से भी संपर्क किया गया है और सभी ने दैनिक यजमान में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया है।

श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का अत्यधिक महत्व है। पितृपक्ष के पावन दिनों में भागवत कथा सुनना, श्रीमद्भागवत कथा करवाना, पितरों के लिए दान करना तथा तन–मन–धन से इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेना और यथासंभव सहयोग करना पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के 15 दिनों में पितृ पृथ्वी पर विचरण करते हैं और अपने कुल–परिवार तथा बच्चों द्वारा पितरों के निमित्त किए गए दान से प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद देते हैं। इससे परिवार में सुख–शांति, समृद्धि, मांगलिक कार्य, वंश वृद्धि, धन–संपदा और वैभव की प्राप्ति होती है तथा पितृ अपने परिवार से प्रसन्न होकर पितृलोक को प्रस्थान करते हैं।

बैठक के अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, समिति कोषाध्यक्ष संजय राठी, समिति संगठन मंत्री रमेश मोदाणी, पवन नागपुरिया, संरक्षक श्याम मित्र मंडल अतापुर, केदारनाथ लाठी, निखिल सोमाणी, श्याम सुंदर जांगिड़, श्रीमती जमुना लाठी तथा श्रीमती आशा देवी सोमाणी सहित अन्य उपस्थित रहे।

सेवा और संस्कार का संगम है राधे–राधे ग्रुप : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के समीप नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा गतिविधियों में सेवा और संस्कार दोनों का सुंदर संगम देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि यह देखकर उन्हें प्रसन्नता होती है कि वे इस सेवा परिवार के साथ जुड़ी हुई हैं।

राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता और संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम भी है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस भावना के साथ नियमित रूप से अन्नसेवा कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह भाव केवल नगर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि देश के अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की निस्वार्थ सेवाओं का विस्तार होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब सेवा में संस्कार, समर्पण और सहयोग जुड़ जाते हैं तो उसका प्रभाव समाज के अनेक वर्गों तक पहुंचता है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भगत राम अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाने में अपनी सहभागिता निभाई।

क्वाम्बिएंट ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

11 अक्टूबर को हैदराबाद में होगा ग्लोबल कैंसर अवेयरनेस रन; 2के, 5के और 10के श्रेणियां उपलब्ध

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) क्वाम्बिएंट ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन 2026 के नौवें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। एवनॉर्थ हेल्थ सर्विसेज द्वारा पावर्ड यह कार्यक्रम 11 अक्टूबर 2026 को गचिबोवली स्टेडियम, हैदराबाद में आयोजित होगा।

ग्रेस कैंसर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस वार्षिक रन का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शीघ्र जांच और स्क्रीनिंग को बढ़ावा देना तथा कैंसर के खिलाफ सामूहिक संघर्ष को मजबूत करना है। व्यक्ति, परिवार, कॉरपोरेट, संस्थान, रनिंग कम्युनिटी और आम नागरिक इसमें भाग ले सकते हैं।

श्रेणियां इस प्रकार हैं: 2के रन – 800, 5के रन – 900 और 10के रन – 1,200, 10के टाइम्ड रन है, जबकि 2के और 5के परिवारों व आम लोगों के लिए सुलभ विकल्प हैं। इस वर्ष का थीम है – Run for Grace. Screen for Life.

रजिस्ट्रेशन के लिए: https://gracecancerrun.com/registration-fee/ अधिक जानकारी: www.gracecancerrun.com आयोजकों ने सभी से अपील की है कि रजिस्टर करें, भाग लें और कैंसर जागरूकता का संदेश फैलाएं। हर कदम मायने रखता है।

न्यायाधीश ई.वी. वेणुगोपाल और अभिनेता वरुण तेज ने किए अंजनेयस्वामी के दर्शन

पेद्दापल्ली, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री ई.वी. वेणुगोपाल और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री वरुण तेज ने कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा–अर्चना की। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्री अंजना रेड्डी ने न्यायाधीश का पूर्णकुंभ से स्वागत किया। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराते हुए दोनों को तीर्थ–प्रसाद एवं शेषवस्त्र प्रदान किए। इस अवसर पर मंदिर के अधिकारी, पुजारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बुद्धिमान संतान पाने के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रंभा तृतीया व्रत या कहें रंभा तीज व्रत किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 21 मई यानी गुरुवार के दिन है। इस दिन विवाहित महिलाएं इसलिए व्रत रखती हैं ताकि उन्हें गणेश जी जैसी बुद्धिमान संतान(पुत्री/पुत्र) मिले। और उन पर गौरी यानी माता पार्वती और शिवजी की कृपा बनी रहे।

इस दिन प्रात: दैनिक नित्य कर्मों से निवृत्त होकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें और भगवान सूर्य को लिए दीपक प्रज्वलित करें। पूजन में ऊं महाकाल्यै नम:, महालक्ष्म्यै नम:, महासरस्वत्यै नम:, आदि मंत्रों का जाप करते हुए पूजा करें। इस दिन मंदिर और घर पर ही शिव, पार्वती और गणेश जी की आराधना करके सास-ससुर से आशीर्वाद लिया जाता हैं। सास को पकवान व्यंजन और वस्त्र भेंट किए जाते हैं।

क्या है शिवलिंग पर दूध चढाने का वैज्ञानिक रहस्य

हमारी परंपराओं के पीछे कई सारे वैज्ञानिक रहस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें हम नहीं जान पाते क्योंकि इसकी शिक्षा हमें कहीं नहीं दी गई है। भगवान शिव को सावन के महीने में ढेरो टन दूध यह सोंच कर चढाया जाता है कि वे हमसे प्रसन्न होंगे और हमें उन्नती का मार्ग दिखाएंगे।

लेकिन श्रावण मास में शिवलिंग पर दूध चढाने के पीछे क्या कारण छुपा हुआ है वह आज हम आपको बताएंगे। भगवान शिव एक अकेले ऐसे देव हैं जिनकी शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है। शिव भगवान दूसरों के कल्याण के लिए हलाहल विषैला दूध भी पी सकते हैं। शिव जी संहारकर्ता हैं, इसलिए जिन चीजों से हमारे प्राणों का नाश होता है, मतलब जो विष है, वो सब कुछ शिव जी को भोग लगता है। भगवान शिव से जानें जीवन जीने का तरीका

पुराने जमाने में जब श्रावण मास में हर जगह शिव रात्रि पर दूध चढता था, तब लोग समझ जाया करते थे कि इस महीने में दूध विष के सामान है और वे दूध इसलिये त्याग देते हैं कि कहीं उन्हें बरसाती बीमारियां न घेर ले। क्या है महाशिवरात्रि का महत्व अगर आयुर्वेद के नजरिये से देखा जाए तो सावन में दूध या दूध से बने खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिये क्योंकि इसमें वात की बीमारियाँ सबसे ज्यादा होती हैं। शरीर में वात-पित्त-कफ इनके असंतुलन से बीमारियाँ पैदा होती हैं।

श्रावण के महीने में ऋतू परिवर्तन के कारण शरीर मे वात बढता है। तभी हमारे पुराणों में सावन के समय शिव को दूध अर्पित करने की प्रथा बनाई गई थी क्योंकि सावन के महीने में गाय या भैंस घास के साथ कई कीड-मकौडों का भी सेवन कर लेते हैं। जो दूध को हानिकारक बना देत है इसलिये सावन मास में दूध का सेवन न करते हुए उसे शिव को अर्पित करने का विधान बनाया गया है।

जानें मंदिर में दर्शन करने के पीछे छुपे हैं कौन से वैज्ञानिक रहस्य

मंदिर की संरचना और स्थान के पीछे वैज्ञानिक कारण -मंदिर के लिए हमेशा ऐसा स्थान चुना जाता है जहां सकरात्मक ऊर्जा का भंडार हो। एक ऐसा स्थान जहां उत्तरी छोर से स्वतंत्र रूप से चुम्बकीय और विद्युत तरंगों का प्रवाह हो। अक्सर ऐसे ही स्थान का चयन करके विधिवत मंदिर का निर्माण करवाया जाता है, ताकि लोगों के शरीर में अधिकतम सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो।

ईश्वर की मूर्ति - मंदिर में भगवान की मूर्ति को गर्भगृह में या मंदिर के बिल्कुल मध्य स्थान पर स्थापित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर सबसे अधिक ऊर्जा होती है जहां सकारात्मक सोच से खडे होने पर शरीर में अच्छी ऊर्जा पहुंचती है और नकारात्मकता दूर भाग जाती है। हमेशा मूर्ति की स्थापना के बाद ही मंदिर का ढांचा खडा किया जाता है।

मंदिर से बाहर चप्पल उतारने के पीछे कारण-आप दुनिया के किसी भी देश में हिंदू मंदिर में प्रवेश करें तो नंगे पैर ही करना पडता है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि मंदिर की फर्शों का निर्माण पुराने समय से अब तक इस प्रकार किया जाता है कि ये इलेक्ट्रिक और मैग्नैटिक तरंगों का सबसे बडा स्त्रोत होती हैं। जब इन पर नंगे पैर चला जाता है तो अधिकतम ऊर्जा पैरों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर जाती है।

मंदिर में घंटा बजाने के पीछे वैज्ञानिक कारण -जब भी मंदिर में प्रवेश किया जाता है तो द्वार पर घंटा टंगा होता है जिसे बजाना होता है। मुख्य मंदिर (जहां भगवान की मूर्ति होती है) में भी प्रवेश करते समय घंटा या घंटी बजानी होती है, इसके पीछे कारण यह है कि इसे बजाने से निकलने वाली मधुर ध्वनि से सात सेकेंड तक गूंज बनी रहती है जो शरीर के सात हीलिंग सेंटर्स को सक्रिय कर देती है।

मूर्ति पूजा के समय कपूर जलाने के पीछे वैज्ञानिक कारण - हर मंदिर में मूर्ति पूजा के समय कपूर जलाया जाता है, इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि जब अंधेरे मंदिर में कपूर को जलाया जाता है तो दृष्टि इंद्री सक्रिय हो जाती हैं। दिये के ऊपर हाथ रखने के पीछे वैज्ञानिक कारण -आरती के बाद सभी लोग दिए पर या कपूर के ऊपर हाथ रखते हैं और उसके बाद सिर से लगाते हैं और आंखों पर स्पर्श करते हैं। ऐसा करने से हल्के गर्म हाथों से दृष्टि इंद्री सक्रिय हो जाती है और अचछा महसूस होता है।

ईश्वर पर फूल चढाने के पीछे कारण - भगवान की मूर्ति पर फूल चढाना हर मंदिर में स्वीकार्य होता है। ऐसा करने से मंदिर और मंदिर परिसर में अच्छी और भीनी-भीनी सी खुशबु आती है। अगरबत्ती, कपूर और फूलों की खुशबु से सूंघने की शक्ति बढती है और मन प्रसन्न हो जाता है।

चरणामृत पीने के पीछे वैज्ञानिक कारण -चरणामृत को पांच सामग्रियों (दूध, दही, घी, गंगाजल और तुलसी के दल) से मिलकर बनाया जाता है। इसके बाद, इसे ईश्वर को भोग लगाया जाता है और बाद में सभी दर्शानर्थियों को बांट दिया जाता है। जिस पात्र में इसे रखा जाता है वह तांबे का होता है और उसमें पडी हुई चम्मच चांदी की होती है। इसे पीने से जीहा की इंद्रियां सक्रिय हो जाती हैं

मूल स्थान की परिक्रमा करने के पीछे वैज्ञानिक कारण - हर मंदिर के मुख्य मंदिर में दर्शन करने और पूजा करने के बाद परिक्रमा करनी होती है। परिक्रमा 8 से 9 बार करनी होती है। जब मंदिर में परिक्रमा की जाती है तो सारी सकारात्मक ऊर्जा, शरीर में प्रवेश कर जाती है और मन को शांति मिलती है।

गुरु परंपरा में आदि गुरु हैं 'श्री दत्त'

मार्गशीर्ष (अगहन) मास की पूर्णिमा को दत्त जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 06 दिसंबर के दिन है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को भगवान दत्तात्रेय का जन्म हुआ था। ब्रहमा, विष्णु और महेश इन तीनों देवताओं की परमशक्ति जब केंद्रित हुई तब 'त्रयमूर्ति दत्त' का जन्म हुआ। अगहन पूर्णिमा को प्रदोषकाल में भगवान दत्त का जन्म होना माना गया है। दत्तात्रेय में ईश्वर और गुरु दोनों रूप समाहित हैं और इसलिए उन्हें 'परब्रहममूर्ति सदगुरु' और 'श्री गुरुदेवदत्त' भी कहा जाता है। उन्हें गुरु वंश का प्रथम गुरु, साधक, योगी और वैज्ञानिक माना जाता है। विविध पुराणों और महाभारत में भी दत्तात्रेय की श्रेष्ठता का उल्लेख मिलता है। वे श्री हरि विष्णु का अवतार हैं। वे पालनकर्ता, त्राता और भक्त वत्सल हैं तो भक्ताभिमानी भी। वेदों को प्रतिष्ठा देने वाले महर्षि अत्रि और ऋषि कर्दम की कन्या अनुसूया के ब्रहमकुल में जन्मा यह दत्तावतार क्षमाशील अंतकरण का भी है।

भारतीय भक्ति परंपरा के विकास में श्री दत्त देव एक अनूठे अवतार हैं। रज-तम-सत्व जैसे त्रिगुणों, इच्छा-कर्म-ज्ञान तीन भावों और उत्पत्ति-स्थिति-लय के एकत्व के रूप में वे प्रतिष्ठित हैं। उनमें शैव और वैष्णव दोनों मतों के भक्तों को आराध्य के दर्शन होते हैं। शैवपंथी उन्हें शिव का अवतार और वैष्णव विष्णु अवतार मानते हैं। नाथ, महानुभव, वारकरी, रामदासी के उपासना पंथ में श्रीदत्त आराध्य देव हैं। तीन सिर, छ: हाथ, शंख-चक्र-गदा-पद्म, त्रिशूल-डमरू-कमंडल, रुद्राक्षमाला, माथे पर भस्म, मस्तक पर जटाजूट, एकमुखी और चतुर्भुज या षडभुज इन सभी रूपों में श्री गुरुदेव दत्त की उपासना की जाती है।

मान्यता यह भी है कि दत्तात्रेय ने परशुरामजी को श्रीविद्या-मंत्र प्रदान किया था। शिवपुत्र कार्तिकेय को उन्होंने अनेक विद्याएं दी थी। भक्त प्रल्हाद को अनासक्ति-योग का उपदेश देकर उन्हें श्रेष्ठ राजा बनाने का श्रेय भी भगवान दत्तात्रेय को ही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के तो घर-घर में दत्तोपासना होती है।

श्री दत्त भक्त और श्री दत्त महात्म्य कहने वाला 'श्री गुरुचरित्र' दत्त भक्तों का पवित्र ग्रंथ है। जिसका पारायण मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी से मार्गशीर्ष पूर्णिमा तक किया जाता है। दत्त महामंत्र 'श्री दिगंबरा दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा' का जप भी प्रभु की शरण प्राप्ति और उनके स्मरण का मंत्र है। माना गया है कि भक्त के स्मरण करते ही भगवान दत्तात्रेय उनकी हर समस्या का निदान कर देते हैं इसलिए इन्हें स्मृतिगामी व स्मृतिमात्रानुगन्ता कहा गया है। अपने भक्तों की रक्षा करना ही श्री दत्त का 'आनंदोत्सव' है। केवल स्मरण यही उनकी सेवा और सच्चे भक्तिभाव से ग्रहण कर रहे अन्ना को उन्हें समर्पित करना ही उनकी पूजा है। श्री गुरुदेव दत्त भक्त की इसी भक्ति से प्रसन्ना होकर स्मरण करने पर उनके निकट जाकर खडे हो जाते हैं और तमाम विपदाओं से रक्षा करते हैं। आदि शंकराचार्य ने तो कहा है, 'सारे ऐहिक सुखों, आरोग्य, वैभव, सत्ता, संपत्ति सभी कुछ मिलने के बाद यदि मन गुरुपद की शरण नहीं गया तो फिर क्या पाया।'

दत्त पादुका पूजन मान्यता है कि दत्तात्रेय नित्य प्रात:काल काशी की गंगाजी में स्नान करते थे। इसी कारण काशी के मणिकर्णिका घाट की दत्त पादुका दत्त भक्तों के लिए पूजनीय है। इसके अलावा मुख्य पादुका स्थान कर्नाटक के बेलगाम में स्थित है। दत्तात्रेय को गुरु रूप में मान उनकी पादुका को नमन किया जाता है।

ब्रज की संस्कृति का एक प्रमुख पर्व

गोपाष्टमी पर्व कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 31 अक्टूबर के दिन है। इस दिन सुबह गौ माता को स्नान कराकर, जल, रोली, मौली, अक्षत, मिठाई, जलेबी, दाल, घास, वस्त्र और धूप आदि से विधिवत् पूजन किया जाता है। इस दिन गोपालों की पूजा भी की जाती है। गोपाष्टमी ब्रज में संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है। गायों की रक्षा करने के कारण भगवान श्री कृष्ण का नाम 'गोविन्द' पडा। मान्यता है कि इस दिन गौ माता को घास देकर, उनकी परिक्रमा करके, कुछ दूर उनके साथ जाने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

शाम के समय गौ माता के चरणों की धूल मस्तक पर लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कहते हैं कार्तिक, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा से सप्तमी तक गो-गोप-गोपियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को धारण किया था। 8वें दिन इन्द्र अहंकार रहित होकर भगवान की शरण में आए थे। कामधेनु ने श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उसी दिन से कान्हा को गोविंद के नाम से जाना जाता है।

देश के प्राय: सभी भागों में गोपाष्टमी का उत्सव बडे ही उल्लास से मनाया जाता है। कहते हैं कि इस दिन गोशालाओं की संस्था को कुछ दान देना चाहिए। पुराणों के अनुसार ऐसा करने से ही गो वंश की उन्नति हो सकेगी। देवी-देवताओं का निवास पद्म पुराण के अनुसार गाय के मुख में चारों वेदों का निवास हैं। उसके सींगों में भगवान शंकर और विष्णु सदा विराजमान रहते हैं। गाय के उदर में कार्तिकेय, मस्तक में ब्रहमा, ललाट में रुद्र, सीगों के अग्र भाग में इन्द्र, दोनों कानों में अश्विनीकुमार, नेत्रों में सूर्य और चंद्र, दांतों में गरुड, जिहा में सरस्वती, रोमकूपों में ऋषि गण, पृष्ठभाग में यमराज, दक्षिण पार्श्व में वरुण एवं कुबेर, वाम पार्श्व में महाबली यक्ष, मुख के भीतर गंधर्व, नासिका के अग्रभाग में सर्प, खुरों के पिछले भाग में अप्सराएं स्थित हैं।

भगवान की चाहत

एक साधु नदी के पास ध्यान कर रहे थे, तभी एक युवा व्यक्ति ने उन्हें टोकते हुए पूछा, 'गुरूजी, मैं आपका शिष्य बनना चाहता हूँ।' साधु ने कहा, 'क्यों' युवा व्यक्ति ने एक पल के लिए सोचा और फिर कहा, 'क्यों कि मैं भगवान को पाना चाहता हूँ।'गुरु बाहर की और आए, उन्होंने उस व्यक्ति की गर्दन को पकडा, उसे नदी में घसीटा, और उसका सर पानी के नीचे कर दिया। वहाँ उसे एक मिनट के लिए पकडे रखा। वह व्यक्ति खुद को मुक्त करने के लिए लात मार रहा था। गुरु ने अंत में उसे नदी से बाहर खींच लिया। युवक सांस लेने के लिए हांफ रहा था। गुरूजी ने पूछा, 'मुझे बताओ, जब तुम पानी के नीचे थे तो तुम्हे सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत थी।" हवा की' आदमी ने जवाब दिया। 'बहुत अच्छा,' गुरु ने कहा, 'घर जाओ और मेरे पास वापस आना जब तुम्हे भगवान की चाहत भी उतनी ही हो जितनी तुम्हे अभी हवा की थी।'

जन जन को तीर्थंकर बनाती महावीर शिक्षा

महावीर ऐसा अवसर है जो हमें भगवान महावीर के जीवन की उपयोगिता पर विचार करने का अवसर देता है। चूंकि बीते वर्षों में भी समाज में कोई परिवर्तन नहीं दिखता है। हम वैसे ही हैं जैसे थे। अंधकार यथावत है। महावीर द्वारा प्रदत्त प्रकाश हमारे भीतर नहीं पहुंच सका है और इसलिए आज भी महावीर जयंती मनाने की प्रासंगिकता है। आज भगवान का मंदिर बनवाने की आवश्यकता नहीं है स्वनिर्माण की जरूरत है। आचार्य ज्ञानभूषण के अनुसार महावीर जयंती भूमि शुद्धि व दीक्षा दिवस के रूप में अनुपम आयोजन है।

महावीर की वाणी, उनका दर्शन हमारे पास है। आज सबसे बडी कठिनाई यही है कि भक्त उनकी पूजा करना चाहता है उनके विचारों का अनुगमन नहीं करना चाहता है। महावीर का दर्शन केवल अहिंसा और समता का दर्शन नहीं है क्रांति का दर्शन भी है। उनकी प्रजा ने केवल अध्यात्म और धर्म को उपकृत नहीं किया अपितु व्यवहार जगत को भी संवारा है। उनकी मृत्युंजयी साधना ने आत्मप्रभा को ही भास्कर नहीं किया बल्कि अपने समग्र परिवेश को सिंचित किया है। उन्होंने जन जन को तीर्थंकर बनने का रहस्य समझाया है।

दुनिया का सार है श्रीमद्भागवत गीता

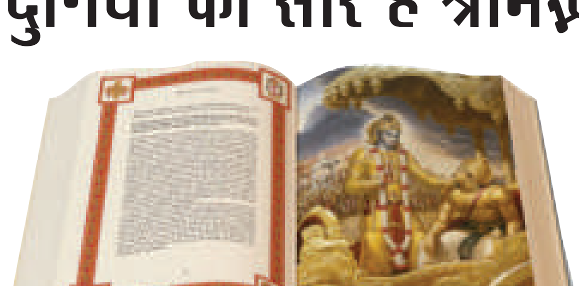

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन कुरुक्षेत्र की रणस्थली में कर्म से विमुक्त हुए अर्जुन को भगवान कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। गीता संजीवनी विद्या है। गीता के जीवन-दर्शन के अनुसार मनुष्य महान है।

असीम है। शक्ति का भंडार है। कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से कहा, 'भगवन मैं नहीं लड़ूंगा।' अपने रिश्तेदारों और गुरुओं का संहार कर मुझे सुख भोगने की इच्छा नहीं है।' परिस्थितिवश अधीर होकर अर्जुन कर्म से विमुख हो गया। कर्तव्य विमुख अर्जुन को जो उपदेश दिया गया वही गीता है। गीता की गणना विश्व की महान ग्रंथों में की जाती है। श्री शंकराचार्य से लेकर विनोबा भावे तक के महान साधकों ने गीता के महत्व को बताया है। लोकमान्य तिलक ने इससे से कर्मयोग लिया। इस गीता के आधार पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अनासक्ति योग का प्रतिपादन किया। गीता का महत्व का प्रतिपादन करते हुए गांधी जी ने लिखा है कि, 'जब मैं किसी विषय पर विचार करने में असमर्थ हो जाता हूं तो गीता ही मुझे प्रेरणा देती है। महामना पंडित मदनमोहन मालवीय के अनुसार गीता अमृत है। इस अमृत का पान का पान करने से व्यक्ति अमर हो जाता है।' गीता का आरंभ धर्म से तथा अंत कर्म से होता है। गीता मनुष्य को प्रेरणा देती है।

मनुष्य का कर्तव्य क्या है। इसी का बोध करवान गीता का लक्ष्य है। इसी आधार पर अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं कि, 'मैं अज्ञान से ज्ञान में प्रवेश पा गया हूं। आपके आदेश का पालन करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं।' गीता में कुल 18 अध्याय हैं। महाभारत का युद्ध भी 18 दिन तक ही चला था। गीता में कुल श्लोकों की संख्या 700 है। गीता में भक्ति और कर्मयोग का समन्वय देखने को मिलता है। इसीलिए गीता जयंती के दिन श्रीकृष्ण और गीता की विधिपूर्वक पूजा करना चाहिए।

गजानन के सिर से सीखें, फायदेमंद बातें

भगवान श्रीगणेश के बारे में जितना अधिक जानेंगे। उतना ही ज्ञान आप अर्जित कर सकते हैं, जैसे कि गणेश जी का सिर। भगवान के सिर में मौजूद अंगों से भी आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

भगवान गणेश जी का बडा सिर हमें बडी और फायदेमंद बातें विचार करने पर प्रेरित करता है। उनके बडे कान विचारों और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुनने के सीख देते हैं। उनकी छोटी आंखें कार्यों को उचित ढंग से और जल्दी पूरा करने की ओर इशारा करती हैं। भगवान की लंबी नाक हमें अपने चारों और घट रही घटनाओं को सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। गणेश जी का छोटा मुंह कम बोलने और ज्यादा सुनने की याद दिलाता है।

यह भी आजमाएं : जो भी करना है अभी करें। हमेशा बेहतर की मांग करें क्योंकि भविष्य वर्तमान में ही मौजूद रहता है। सोच का दायरा बढाएं। सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्य करें। सोचना बहुत मेहनत का काम है। समस्याओं को दबाएं और अवसरों को उभारें।

'कीलक' के राजा शनि और मंगल मंत्री

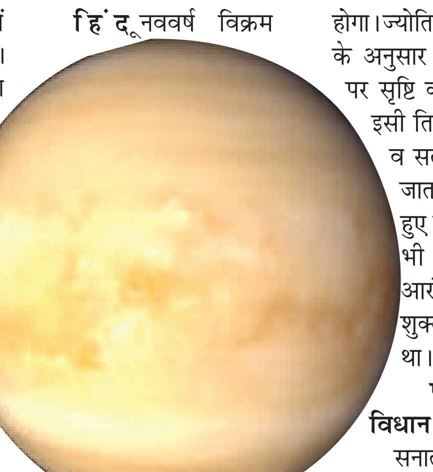

हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2072 का आगमन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा अर्थात 21 मार्च से हो रहा है। विक्रम संवत 2072 के राजा शनि और मंत्री मंगल होंगे। इस संवत्सर का नाम कीलक होगा। हालांकि 28 मई, 2015 को सौम्य नामक संवत्सर का प्रवेश हो जाएगा लेकिन वर्ष पर्यंत संकल्पादि में कीलक संवत्सर का ही विनियोग होगा। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार ब्रहमा ने इसी तिथि पर सृष्टि का आरंभ किया था। इसी तिथि पर मत्स्य अवतार व सतयुग आरंभ भी माना जाता है। इसे महत्व देते हुए सम्राट विक्रमादित्य ने भी अपने संवत्सर का आरंभ 2000 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को किया था।

पूजन अनुष्ठान का विधान

सनातन धर्म में संवत्सर पूजन का खास महत्व है। ऐसे में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर पूजन, नवरात्र घट स्थापन, ध्वजारोपण, तैलाभ्यंग स्नान, वर्षेशादि, फल पाठ, पंचांग श्रवण आदि करना चाहिए। प्रात: कर्म के बाद हाथ में गंध, अक्षत, पुष्प, जल लेकर संकल्प करना चाहिए। बालू की वेदी पर अष्टदल कमल बनाकर ब्रहमादेव की स्वर्ण मूर्ति स्थापित करें। ब्रहमादेव का आहान, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र अर्पण, यज्ञोपवीत, चंदन, पुष्प, धूप-दीप नैवेद्य ताम्बूल, नमस्कार, पुष्पांजलि देकर विधिवत पूजन कर पंचांग श्रवण का विधान है। नीम के कोमल पत्ते ग्रहण करें। इससे राजा-प्रजा और देश, राज्य, नगर, ग्राम में शांति रहती है।

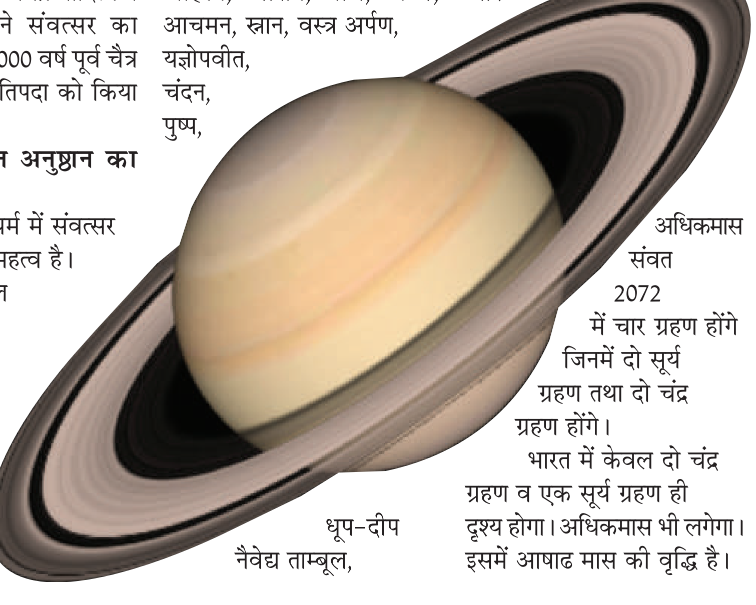

चार ग्रहण और अधिकमास

संवत 2072 में चार ग्रहण होंगे जिनमें दो सूर्य ग्रहण तथा दो चंद्र ग्रहण होंगे।

भारत में केवल दो चंद्र ग्रहण व एक सूर्य ग्रहण ही दृश्य होगा। अधिकमास भी लगेगा। इसमें आषाढ मास की वृद्धि है।

सनस्क्रीन लगाते हैं तो संभल जाइए, त्वचा को हो सकते हैं ये नुकसान

गर्मियों में सनस्क्रीन से सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाव किया जा सकता है. लेकिन कई बार यही सनस्क्रीन हमारे लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है. सनस्क्रीन हमारी त्वचा को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती है...

सनस्क्रीन आंखों के लिए खतरनाक

सनस्क्रीन का इस्तेमाल कभी भी आंखों पर नहीं करना चाहिए. सनस्क्रीन आखें के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है. इसके लिए सही ये रहता है कि सनस्क्रीन का इस्तेमाल हमेशा आंखों से दूर ही करना चाहिए. अगर चेहरे पर सनस्क्रीन लगाते वक्त गलती से वह आंखों में चली जाती है तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

चेहरे और शरीर के लिए अलग-अलग सनस्क्रीन

एक ही सनस्क्रीन को चेहरे और शरीर दोनों जगह लगाए जाने से काफी नुकसान पहुंच सकता है. इससे बचने के लिए हमेशा चेहरे पर लगाई जाने वाली सनस्क्रीन को सिर्फ चेहरे पर और शरीर पर लगाई जाने वाली सनस्क्रीन को सिर्फ शरीर पर लगाया जाना सही रहता है. इससे चेहरे और शरीर दोनों का बचाव होता है.

केमिकल

सनस्क्रीन में नाम का केमिकल मिला होता है जिससे स्किन एलर्जी हो सकती है. इस केमिकल के कारण त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते, सूजन भी हो सकती है. स्किन एलर्जी से बचने के लिए सनस्क्रीन से दूरी बनाई जा सकती है.

रेडनेस को बढ़ाती है

सनस्क्रीन स्किन चेहरे की रेडनेस को बढा सकती है. इससे छुटकारा पाने के लिए नॉन ऑइली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए. इसके अलावा एक्सपर्ट से भी सनस्क्रीन के बारे में राय लेनी चाहिए.

सनस्क्रीन मुंहासों पर रिएक्ट करती है

सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाव के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन ये सनस्क्रीन मुंहासों पर भी काफी हद तक रिएक्ट करती हैं. इसलिए सनस्क्रीन से थोड़ा परहेज किया जा सकता है.

फिट रहने की आदत डालें बदलती जीवनशैली में

भागदौड़ वाली जिंदगी में महिलाएं इतनी व्यस्त रहने लगी हैं कि उन के पास अपने लिए भी वक्त नहीं. खानपान और जीवनशैली में ये बदलाव ला कर तो देखें, बीमारियां और मोटापा आप से हमेशा दूर रहेंगे.

आज की भागदौड़ वाली जिंदगी में महिलाएं इतनी व्यस्त रहने लगी हैं कि उन के पास अपने लिए भी वक्त नहीं. नतीजा यह होता है कि उन की फिटनैस प्रभावित होने लगती है. जबकि स्वस्थ शरीर से ज्यादा कीमती जीवन में कुछ नहीं.

बदलती जीवनशैली में फिटनैस का महत्व

आजकल की जीवनशैली में ज्यादातर काम मशीनों से ही करना होता है. इस से शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं. खासकर जिन का काम सारा दिन बैठने का होता है उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं का सामना ज्यादा करना पड़ता है. मोटापा, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, हृदय संबंधी बीमारियां आम बात हैं. इस के विपरीत यदि नियमित वर्कआउट करती रहें, अपने खानपान का खयाल रखें और तनाव से दूर रहें तो लंबे समय तक खुद को चुस्तदुरुस्त और ऐक्टिव बनाए रख सकती हैं.

खानपान में करें बदलाव

सरोज सुपर स्पैश्यलिटी हौस्पिटल की डाइटीशियन निधि कहती हैं कि भागदौड़ भरी इस जिंदगी में फास्ट फूड और कोल्ड ड्रिंक्स झटपट पेट भरने के सब से प्रचलित विकल्प बन गए हैं. इन से पेट तो भर जाता है, लेकिन पोषण न के बराबर मिलता है. इन में कैलोरी बहुत अधिक मात्रा में होती है, जो मोटापा बढ़ाने का सब से प्रमुख कारण बन जाती है.

यदि आप व्यस्तता के कारण खाना छोड़ेंगी तो फिर रात में ज्यादा खा लेंगी. इस से मैटाबोलिज्म गड़बड़ा जाता है. 3-4 घंटों के अंतराल में कुछ न कुछ खाती रहें. इस से रक्त में शुगर का स्तर प्रभावित नहीं होगा जो आप के मस्तिष्क और उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है. इस के अलावा बाहर के खाने से बचें. इन में सोडियम शुगर और वसा की मात्रा अधिक होती है. हमेशा घर के खाने को ही प्राथमिकता दें.

» रोज के सामान्य खाने में ही थोड़ा बदलाव ला कर आप फिटनैस बरकरार रख सकती हैं

» अपनी डाइट में अंकुरित अनाज, दालें, सब्जियां, दूध व दूध से बने उत्पाद, फल और सूखा मेवा आदि जरूर शामिल करें.

» खाने की सामान्य चीजों में थोड़े प्रयास से पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है. मसलन, दलिया में दाल और सब्जियां मिला कर पकाएं. पोहे में मूंगफली, चने की दाल, बींस, गाजर, फूलगोभी आदि मिला कर पौष्टिकता बढ़ा सकती हैं. अंकुरित अनाज में खीरा, टमाटर, मटर गाजर आदि डाल कर खाएं.

» परांठों में स्टफिंग कर के खाएं. कभी पनीर, कभी दाल, साग वगैरह भर दें. इस से कम मेहनत में हर तरह के न्यूट्रिएंट्स शरीर को मिल जाएंगे.

» ज्यादातर खाना माइक्रोवेव में ही पकाएं. इस में तेल कम मात्रा में लगता है और न्यूट्रिऐंट्स भी नष्ट नहीं होते.

» खाने को कभी डीप फ्राई न करें. फ्राईपैन या दूसरे नौनस्टिक बरतनों का प्रयोग अधिक करें. इन में तेल कम लगेगा.

» हमेशा सब्जियों के बड़ेबड़े टुकड़े काटें. उन्हें काटने से पहले अच्छी तरह धोएं.खीरा, ककड़ी, टमाटर वगैरा सलाद की चीजें खाने से पहले खा लें. ये भूख को नियंत्रित करेंगे और आप को चुस्त बनाए रखेंगे.

» चावल पकाते समय कभी भी मांड़ न निकालें.

» बीचबीच में आंवला, गुड़, खजूर जैसी चीजें खाती रहें. इन में आयरन और दूसरे न्यूट्रिऐंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं. स्नैक्स के तौर पर चिप्स, बिस्कुट आदि खाने के बजाय मुरमुरा, चने, भुने मखाने आदि खाएं.

कैसे रखें खुद को चुस्तदुरुस्त

खुद को चुस्तदुरुस्त बनाए रखने के लिए टिप्स

संतुलित भोजन खाएं. पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट लें. वसा की मात्रा कम रखें. सारे फलों व सलाद का पर्याप्त सेवन करें. खूब पानी पीएं.

कब्ज न होने दें. इस के लिए गेहूं, चना, सोयाबीन और जौ मिश्रित आटे की रोटियां खाएं.

दिन की शुरुआत 1 गिलास कुनकुने पानी से करें.

लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें.

औफिस या घर में पूरा दिन कंप्यूटर के सामने न बैठी रहें. बीचबीच में थोड़ी देर का ब्रेक लें. चहलकदमी करें या सीढ़ियां चढ़उतर लें.

वीडियो गेम खेलने या टीवी देखने के बजाय आउटडोर गेम खेलें.

सप्ताह में 5 दिन आधा घंटा टहलें या ऐक्सरसाइज करें.

सुबह उठने के बाद ज्यादा देर भूखी न रहें. रात को सोने से कम से कम 2 घंटे पहले खाना खा लें.

डाइटिंग कभी न करें, क्योंकि इस से ऊर्जा का स्तर गिर जाता है और आप ऊर्जा पाने के लिए बिना सोचेसमझे कैलोरी वाली चीजें खाने लगती हैं.

सुझाव

साबूदाना खाने के बेमिसाल फायदे

साबूदाना सफेद मोतियों की तरह होता है। इसको खिचड़ी या खीर दोनों तरह से बनाया जा सकता है। यह खाने में बहुत ही हल्का और स्वादिष्ट होता है। व्रत के अलावा भी इसको खाया जा सकता है। इससे सेहत को काफी फायदा होता है। यह शरीर में गर्मी को दूर करता है और ब्लड प्रैशर को कंट्रोल रखता है। इसके अलावा साबूदाना और भी कई गुणों से भरपूर है।

पेट की परेशानी

साबूदाना खाने में काफी हल्का होता है और यह पेट की काफी समस्याएं दूर करता है। इसके सेवन से पेट की पाचन शक्ति ठीक होती है। जिससे गैस और अपच जैसी परेशानी से राहत मिलती है।

गर्मी पर नियंत्रण

व्रत के दिनों में अक्सर शरीर में गर्मी पड़ जाती है। ऐसे में साबूदाने की खिचड़ी बनाकर खाने से गर्मी दूर होती है और यह शरीर को तरोताजा भी करता है।

ब्लड प्रैशर

साबूदाने में पोटाशियम होता है जो शरीर में रक्त के प्रवाह को ठीक रखता है जिससे ब्लड प्रैशर की समस्या नहीं होती।

एनर्जी

इसमें काफी मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है ।जो शरीर को ऊर्जा देता है। व्रत के दिनों में इसको खाने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

गर्भवस्था

गर्भावस्था के दौरान साबूदाना खाने से गर्भ में पल रहे बच्चे को काफी लाभ होता है। इसमें फोलिक एसिड और विटामिन-बी होता है जो शिशु के लिए बहुत फायदेमंद है।

मजबूत हड्डियां

इसमें कैल्शियम, आयरन और विटामिन-के भरपूर मात्रा में होता है जो हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों के दर्द से भी राहत मिलती है।

वजन

साबूदाना वजन बढ़ाने में भी मदद करता है। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है जिस वजह से उनका वजन नहीं बढ़ पाता। ऐसे में साबूदाने की खिचड़ी या खीर खाने से बहुत फायदा होता है।

थकान

शरीर की थकावट दूर करने के लिए भी काबूदाना काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से बॉडी फ्रैश होती है और एनर्जी मिलती है।

त्वचा

सेहत के साथ यह त्वचा को भी बहुत फायदा देता है। साबूदाने का फेसमास्क बनाकर लगाने से चेहरे की रंगत खिल उठती है और इससे झुर्रियों की समस्या भी दूर होती है।

दस्त

दस्त की वजह से कई बार शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में साबूदाने की खिचड़ी खाने से काफी फायदा होता है।

खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

भारतीय लोग पूजा-पाठ में काफी विश्वास रखते हैं तो ऐसे में हर घर में सुबह-शाम अगरबत्ती और धूपबत्ती का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों के अनुसार शाम के समय अगरबत्ती जलाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है लेकिन कुछ घरों में इसका ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है जिससे कई बार शरीर को बीमारी होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से सांस की परेशानी हो जाती है। इसके अलावा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं से और भी कई समस्याएं हो सकती हैं जिसके बारे में लोगों को जरूर पता होना चाहिए।

कफ जिन घरों में अगरबत्ती का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है वहां कई बीमरियां होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से कार्बनमोनोऑक्साइड निकलती है जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इस धुएं में सांस लेने से कफ और छींकने की समस्या हो जाती है और छाती में रेशा और बलगम जम जाती है जिससे काफी परेशानी होती है।

अस्थमा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं में अधिक देर तक सांस लेने से सांस की समस्या हो जाती है। इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस शरीर में चली जाती है जिससे अस्थमा और सीओपीडी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

त्वचा और आंखें

ज्यादा देर तक अगरबत्ती के धुएं में रहने से स्किन प्रॉब्लम हो जाती है और आंखों में भी जलन होने लगती है। अगरबत्ती के धुएं में मौजूद केमिकल के संपर्क में आने से त्वचा और आंखों में जलन और खुजली होने लगती है जिससे आंखे खराब हो जाती हैं।

मस्तिष्क

अगरबत्ती के धुएं की वजह से दिमाग की कोशिकाएं प्रभावित होती है जिससे सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्या हो सकती है।

दिल

स्वस्थ शरीर के लिए दिल का तंदुरुस्त होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में जब रोजाना अगरबत्ती का धुआं सांस के साथ शरीर में जाता है तो इससे दिल की कोशिकाएं सिकुड़ना शुरू हो जाती हैं जिससे हार्ट अटैक होने का खतरा बना रहता है।

अमरूद से भी ज्यादा फायदेमंद हैं उसके पत्ते

अमरूद ऐसा फल है जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ कई तरह के स्वास्थ्य गुणों से भी भरपूर है। हममें से ज्यादातर लोग इससे अनजान हैं कि अमरूद के पत्ते भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अमरूद के पत्तों में मौजूद ऐंटीऑक्सिडेंट, ऐंटीबैक्टीरियल और ऐंटीइंफ्लेमेटरी गुण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं अमरूद के पत्तों के फायदे...

डायरिया में अमरूद के पत्ते से लाभ

अमरूद के पत्ते डायरिया और पेचिश में काफी फायदेमंद हैं। 30 ग्राम अमरूद के पत्ते और एक मुट्ठी चावल के आटे को दो गिलास पानी में मिलाकर उबाल लें। डायरिया के इलाज के लिए इस मिश्रण को दिन में दो बार पिएं। पेचिश के इलाज के लिए, अमरूद के पत्तों और जड़ों को लेकर 90 डिग्री पर 20 मिनट के लिए उबालें। इस पानी को छानकर दिन में दो बार पीने से राहत मिलेगी।

वजन में कमी लाने में उपयोगी

अमरूद के पत्ते जटिल स्टार्च को शुगर में बदलने की प्रक्रिया को रोकते हैं, इससे शरीर के वजन को घटाने में सहायता मिलती है। अमरूद के पत्ते कार्बोहाइड्रेट की गति को रोकते हैं, जो उपलब्ध यौगिक के रूप में लिवर में टूटता है और वजन घटाने में मदद करता है।

कार्डियोवस्कुलर प्रभाव

अमरूद के पत्ते में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट की दर को कम करने में मदद करते हैं। अमरूद के पत्तों से बनी चाय के सेवन से ब्लड लिपिड, ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर और अस्वस्थ ट्राइग्लिसराइड्स में सुधार करने में मदद मिलती है।

पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है

अमरूद के पत्ते पाचन एंजाइम के उत्पादन को बढ़ाकर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटी-बैक्टीरियल एजेंट प्रभावी ढंग से हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने और बैक्टीरिया से विषाक्त एंजाइमों के प्रसार को रोकने में मदद करता है। अमरूद के पत्ते फूड प्वाइजनिंग, उल्टी और मतली से भी राहत प्रदान करते हैं।

रेसिपी

चना दाल बिरयानी

सामग्री

250 ग्राम भिगोया बासमती चावल, 3-4 हरी इलायची, 2 दाल चीनी, 3-4 लौंग, 2 चममच तेल, 200 ग्राम भिगोई चने की दाल, 250 एम एल दही, 1 चम्मच काली मिर्च के दाने, नमक, 2 बड़ी इलायची, 1 चम्मच शाही जीरा, 2 चम्मच हरी मिर्च, 8-10 पुदीने की पत्ती, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर और 2 चम्मच देसी घी।

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में थोड़ा पानी डालकर उसमें हरी इलायची, दालचीनी, लौंग, तेल और नमक डालें। अब इस पानी को उबालें। इसके बाद इसमें भिगोए हुए चावल डाल दें। अब भिगोई हुई चने की दाल, दही, काली मिर्च के दाने, हरी और बड़ी इलायची, पुदीने की पत्ती, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पावडर एक साथ मिक्स करें और एक दूसरे बर्तन में एक लेयर तैयार करें, जिसमें उबला चावल और चने की दाल वाला मिश्रण फैलाएं। फिर इस पर देसी घी डालें और पकने के लिए छोड़ दें। जब चावल अच्छी हरह से पक जाए तब इसे प्लेट पर निकाल कर ऊपर से पुदीने को काट कर गार्निश करें।

छोले कुलचे

सामग्री

सफेद मटर - एक कप, नीबू का रस - एक चौथाई कप, हल्दी पाउडर - आधा चम्मच, टमाटर -एक कप बारीक कटे हुए, हरा धनिया - आधा कप, प्याज - एक कप, हरी मिर्च -2, अमचूर - आधा चम्मच, चाट मसाला - 2 चम्मच और नमक के स्वादानुसार।

विधि

सबसे पहले सूखे मटर को 6 घंटे पानी मे भिगोकर रखें, अब भीगे हुए मटर और हल्दी पाउडर को कुकर में डालकर अच्छे से पका लें। मटर जब पक जाएं तो इन्हें कलछी से मथ लें। इसके बाद इसमें चाट मसाला, नींबू का रस, नमक, टमाटर, प्याज, अमचूर और हरा धनिया डालें, मटर के छोले बनकर तैयार हैं, इसके साथ खाए जाने वाले कुलचे बाजार में मिलते हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर भारत

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है। यह विचार अमेरिका की जानी-मानी निवेश बैंकिंग संस्था जेफरीज ने व्यक्त किया है। भारत में विशेष रूप से डाटा सेंटर स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता दिखाई दे रहा है। डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी छूट भी प्रदान की जा रही है। ऐसे में भारत में डाटा सेंटर स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में डाटा सेंटरों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है और आने वाले पांच वर्षों में इसके बढ़कर 10 जीडब्ल्यू तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा सेंटर अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है और यह निवेश आगे भी जारी रहने की संभावना है। भारत आज उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनके पास अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीक उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक पांच गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है। कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट भारत की महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत अब केवल पुर्जों को जोड़कर उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। अगले छह वर्षों में मोबाइल कंपोनेंट्स में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। सोलर क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत में 35 त्रङ्ख की सोलर क्षमता चालू है, जबकि 100 जीडब्ल्यू की क्षमता पर निर्माण कार्य चल रहा है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कंपनियों की सूची में आज भारत की 34 कंपनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पहले भारत फार्मा, टेक्सटाइल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद, मसाले, स्टील, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। डाटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध प्रतिभा और श्रमशक्ति के भरोसे विश्व की कई बड़ी कंपनियों के बीच भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक-ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है। इस बैंक के दुनियाभर के बैक-ऑफिस संचालन में कार्यरत 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन ने पुणे और चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कंपनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में बड़े स्तर पर अपना अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित किया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत अब आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्चस्तरीय टैलेंट सेंटर के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं।

इन कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे अनुसंधान का कार्य इन केंद्रों में सम्पन्न हो रहा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए उत्पादों का विकास भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत अमेरिका की कंपनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। इस केंद्र का आने वाले समय में और विस्तार किया जाना है। इसी प्रकार बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्योरिटी, फार्मा और सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित कर रही हैं।

एक समय अमेरिका और अन्य विकसित देशों की ओर भारत से बड़े पैमाने पर ब्रेन ड्रेन हुआ करता था। अब परिस्थितियों में बदलाव दिखाई दे रहा है और भारत रिवर्स ब्रेन ड्रेन की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से अमेरिका की नीतियों के कारण अन्य देशों से अमेरिका जाने वाले टैलेंट के लिए वहां लंबे समय तक रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों में जनसंख्या संबंधी परिस्थितियां भी बदल रही हैं। इन देशों में जन्म दर लगातार कम हो रही है। वहां जीवनशैली तेजी से व्यक्तिगत केंद्रित होती जा रही है। विवाह जैसी सामाजिक संस्था के प्रति दृष्टिकोण में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। पश्चिमी देशों में लिव-इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ा है और विवाह को लेकर पारंपरिक सोच में बदलाव आया है। तलाक की दरों में भी कई देशों में वृद्धि दर्ज की गई है।

इन देशों में सामान्य जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ रही है। परिवार बढ़ाने और बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाला खर्च भी लोगों के निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। इसी संदर्भ में 'डबल इनकम नो किड्स' यानी DINK का विचार भी जोर पकड़ रहा है। इसका अर्थ है कि परिवार में दोनों व्यक्ति आय अर्जित करें, पर बच्चे न हों। भारतीय दर्शन में विवाह को परिवार, समाज और अगली पीढ़ी के निर्माण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुख को अधिक महत्व दिए जाने के कारण पारिवारिक संरचनाओं में बदलाव दिखाई दे रहा है। पुनर्जन्म और जीवन के आध्यात्मिक उद्देश्य को लेकर भारतीय तथा पश्चिमी दार्शनिक दृष्टिकोणों में भी महत्वपूर्ण अंतर है।

पश्चिमी समाज में बढ़ती भौतिक आवश्यकताओं, जीवन-यापन की लागत और व्यक्तिगत जीवनशैली का प्रभाव परिवार एवं जनसंख्या संरचना पर दिखाई दे रहा है। नागरिकों के सामने यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है कि वे अपनी आय और संसाधनों का कितना हिस्सा परिवार तथा बच्चों के पालन-पोषण पर खर्च कर सकते हैं। परिणामस्वरूप कई देशों में परिवार का आकार छोटा होता जा रहा है और जन्म दर में गिरावट देखी जा रही है। आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, अपने जीवन के अंतिम चरण को अधिक सहज और शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से भारत की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत की आध्यात्मिक नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति बढ़ी है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होता है। प्रारम्भ में अनेक विदेशी नागरिक योग और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं।

प्रेरक प्रसंग

नियम के पक्के बापू

बापू का एक नियम था कि वे रोज शाम को प्रार्थना जरूर करते थे.एक दिन वे एक कार्यक्रम में चले गए और यह नियम भूल गए.वे बिना प्रार्थना किए सो गए.बापू के साथी थे,वे भी बगैर प्रार्थना किए पहले ही सो गए थे.

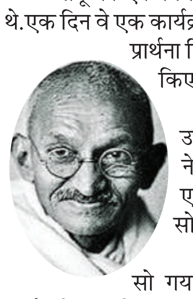

सुबह जब 4बजे बापू प्रार्थना के लिए उठे तो उन्होंने साथियों से प्रश्न किया – 'क्या आप लोगों ने शाम को प्रार्थना की थी.तो सभी साथियों का एक ही जबाव था – 'नहीं,कल हम सब थक कर सो गए.'

बापू बोले – 'अरे कल तो मैं भी सो गया और प्रार्थना रह गई.रात 1बजे नींद खुली तब याद आया,तब से अफ़सोस लग रहा,और जाग रहा हूं.'

बापू इस बात से इतने दुखी थे कि आगे जब भी कहीं जाते,रास्ते में सब साथियों को रोककर,प्रार्थना समय पर करने लगे.सुबह और शाम की प्रार्थना करना उनका पक्का नियम रहा,जब तक वे जीवित रहे.

– ऋषि मोहन श्रीवास्तव

शिक्षक से प्रचारक तक की यात्रा : सुरेशराव केतकर

आचार्य ललित मुनि
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं।

शिक्षक और प्रचारक की भूमिकाएं अलग हैं, लेकिन उनके बीच एक संबंध दिखाई देता है। शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ काम करता है प्रचारक कार्यकर्ताओं के साथ। शिक्षक सीखने की प्रक्रिया में साथ देता है; प्रचारक संगठनात्मक और सामाजिक कार्य के लिए लोगों को तैयार करता है। यह समानता उनके जीवन को समझने का एक दृष्टिकोण है, हालांकि इसे स्वयं केतकर की घोषित अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। उनके जीवन पर बाद में 'संघयोगी सुरेशराव केतकर' नाम से पुस्तक भी प्रकाशित हुई, जिसमें उनके जीवन और कार्य से जुड़े लेख तथा संस्मरण संकलित किए गए। इससे भी पता चलता है कि उनके योगदान को केवल संगठनात्मक पदों के आधार पर नहीं, बल्कि उनसे जुड़े लोगों के अनुभवों के माध्यम से भी दर्ज किया गया।

आलेगावकर विद्यालय में पढ़ाने वाले सुरेशराव केतकर विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय हो चुके थे। विद्यालय प्रबंधन भी उनके काम से संतुष्ट था। नौकरी छोड़ने का कोई तत्काल कारण भी नहीं था। फिर भी 1958 में उन्होंने शिक्षक की नौकरी छोड़कर पूर्णकालिक प्रचारक बनने का निर्णय लिया। उनके इस निर्णय से विद्यालय से जुड़े लोगों को भी सहज ही खुशी नहीं हुई, उन्हें दुख था कि एक अच्छा शिक्षक उनके बीच से जा रहा है। लेकिन केतकर ने अपना रास्ता चुन लिया था।

यहीं से सुरेशराव केतकर के जीवन का वह अध्याय शुरू होता है, जिसने अगले कई दशकों तक उनके जीवन की दिशा तय की। 28 सितंबर 1934 को पुणे में जन्मे सुरेश रामचंद्र केतकर मूलत: पुणे के स्वयंसेवक थे। विद्यार्थी जीवन से ही उनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संपर्क था। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कुछ समय अध्यापन किया। उनके शैक्षणिक विवरण को लेकर उपलब्ध स्रोतों में क्कश्वस्त्र. और क्कक्क श्वस्त्र. दोनों तरह के उल्लेख मिलते हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि उन्होंने विज्ञान की पढ़ाई के बाद शिक्षक के रूप में काम किया और लगभग एक वर्ष बाद पूर्णकालिक प्रचारक बनने का निर्णय लिया।

शिक्षक बनने से पहले ही उनके व्यक्तित्व में शारीरिक गतिविधियों के प्रति विशेष रुचि थी। डॉ. अशोक कुकड़े के संस्मरण के अनुसार वे बचपन से ही शारीरिक व्यायाम को लेकर सजग थे और घोष वादन में भी उनकी रुचि थी। 1956–57 में सूर्य नमस्कार पर एक चित्रात्मक पुस्तक तैयार करने की योजना बनी तो तत्कालीन सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर 'गुरुजी' ने इस काम के लिए सुरेशराव केतकर सहित कुछ स्वयंसेवकों को चुना था।

एक शिक्षक की नौकरी छोड़कर प्रचारक बनना आज भी सामान्य निर्णय नहीं माना जाएगा। उस दौर में तो यह और भी बड़ा फैसला था। शिक्षक के रूप में नियमित आय थी, विद्यालय का अपना संसार था और विद्यार्थियों के बीच एक पहचान बन चुकी थी। इसके बावजूद उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक संगठनात्मक कार्य के लिए समर्पित करने का रास्ता चुना।

1958 में प्रचारक बनने के बाद उनका शुरुआती कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में रहा। सांगली और सोलापुर के साथ उन्होंने धाराशिव और बीड जिलों में भी काम किया। बाद में लातूर विभाग उनके कार्यक्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

प्रचारक का जीवन किसी एक कार्यालय या शहर तक सीमित नहीं होता। लगातार प्रवास, अलग–अलग लोगों से मिलना, शाखाओं और कार्यकर्ताओं के साथ काम करना तथा नए कार्यकर्ताओं को तैयार करना उसके प्रमुख हिस्से होते हैं। केतकर के जीवन में भी यह प्रवास आगे चलकर बहुत व्यापक हुआ।

उनके बारे में प्रकाशित संस्मरणों में एक बात बार–बार सामने आती है कार्यकर्ताओं के साथ उनका व्यक्तिगत संबंध। देशभर में प्रवास के दौरान जिन लोगों से वे मिलते, उनके बारे में छोटी–छोटी बातें भी याद रखते और अगली मुलाकात में उसी आत्मीयता से उनकी पूछताछ करते। संगठनात्मक जिम्मेदारी के साथ व्यक्ति से व्यक्तिगत संबंध बनाए रखना उनके कार्य की एक विशेषता के रूप में सामने आता है।

उनका दूसरा प्रमुख क्षेत्र था शारीरिक शिक्षण।

महाराष्ट्र प्रांत के शारीरिक शिक्षण प्रमुख से लेकर अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षण प्रमुख तक उन्होंने जिम्मेदारियां संभालीं। बाद में वे क्षेत्र प्रचारक, अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख और सह सरकार्यवाह जैसे दायित्वों पर भी रहे। 2000 के आसपास उनके सह सरकार्यवाह के रूप में कार्य करने का उल्लेख उपलब्ध स्रोतों में मिलता है।

शारीरिक शिक्षण का यह काम उनके लिए केवल व्यायाम तक सीमित नहीं था। शाखा में होने वाली शारीरिक गतिविधियों के प्रति उनकी अपनी रुचि पहले से थी। इसलिए संगठन में शारीरिक प्रशिक्षण का दायित्व मिलने पर यह उनके व्यक्तित्व और कार्यक्षेत्र का स्वाभाविक विस्तार भी दिखाई देता है। उनके कार्य से जुड़े स्रोतों में व्यायाम, सूर्य नमस्कार और अन्य शारीरिक गतिविधियों के प्रति उनकी विशेष रुचि का उल्लेख मिलता है।

1972–73 के बाद उनके कार्य का दायरा महाराष्ट्र से बाहर और फिर राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ने लगा। पहले वे महाराष्ट्र के शारीरिक प्रमुख बने, फिर राष्ट्रीय स्तर पर वही दायित्व संभाला और बाद में संघ के उच्च संगठनात्मक दायित्वों तक पहुंचे।

लातूर उनके जीवन में केवल एक कार्यक्षेत्र के रूप में नहीं आया। यहां उनकी भूमिका कुछ सामाजिक और सेवा संस्थाओं से भी जुड़ी। लातूर जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्र में चिकित्सा सेवा शुरू करने के उनके प्रयासों से विवेकानंद चिकित्सालय की स्थापना की दिशा में काम आगे बढ़ा।

उनकी कार्यशैली में सादगी और अनुशासन का उल्लेख भी अनेक श्रद्धांजलि लेखों में मिलता है। 2016 में उनके निधन के बाद पुणे में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में तत्कालीन संघ सरकार्यवाह भैय्याजी जोशी ने उनके व्यक्तित्व की सादगी, सहज व्यवहार और आत्मीयता को विशेष रूप से रेखांकित किया था।

16 जुलाई 2016 को लातूर में उनका निधन हुआ। उस समय उनकी आयु 82 वर्ष थी। वे कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और लातूर के स्वामी विवेकानंद अस्पताल में उपचाररत थे। उनके जीवन को पीछे मुड़कर देखने पर सबसे दिलचस्प पड़ाव शायद वही दिखाई देता है जहां से यह यात्रा शुरू हुई थी, एक शिक्षक की नौकरी छोड़ने का फैसला।

उस समय यह निर्णय लेने वाले सुरेशराव के सामने शायद यह स्पष्ट नहीं रहा होगा कि आने वाले दशकों में उनका कार्यक्षेत्र कितना बड़ा हो जाएगा। सांगली और सोलापुर से लेकर लातूर, महाराष्ट्र और फिर अखिल भारतीय स्तर तक जिम्मेदारियां बढ़ती गईं। लेकिन उनके जीवन की दिशा उस एक निर्णय के बाद बदल चुकी थी।

शिक्षक और प्रचारक की भूमिकाएं अलग हैं, लेकिन उनके बीच एक संबंध दिखाई देता है। शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ काम करता है प्रचारक कार्यकर्ताओं के साथ। शिक्षक सीखने की प्रक्रिया में साथ देता है; प्रचारक संगठनात्मक और सामाजिक कार्य के लिए लोगों को तैयार करता है। यह समानता उनके जीवन को समझने का एक दृष्टिकोण है, हालांकि इसे स्वयं केतकर की घोषित अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

उनके जीवन पर बाद में 'संघयोगी सुरेशराव केतकर' नाम से पुस्तक भी प्रकाशित हुई, जिसमें उनके जीवन और कार्य से जुड़े लेख तथा संस्मरण संकलित किए गए। इससे भी पता चलता है कि उनके योगदान को केवल संगठनात्मक पदों के आधार पर नहीं, बल्कि उनसे जुड़े लोगों के अनुभवों के माध्यम से भी दर्ज किया गया।

(यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)

पितृ पक्ष : पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अनुष्ठान

हर्षवर्धन पान्डे
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

हमारे शास्त्रों में पूर्वजों की आत्मा की शांति पूजा के लिए वर्ष के 15 दिन बहुत खास माने जाते हैं, इन्हें पितृ पक्ष कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं इसलिए इस दौरान पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान आदि करने का विधान है। पितृ पक्ष में सोलह श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और पूर्वज परिजन को खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं। मान्यता है कि पितृ पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों का ऋण चुकता हो जाता है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।वह परिवारजन को खुशहाली का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

ऋषियों ने हमारे संपूर्ण जीवन चक्र को सोलह संस्कारों में बांधा है। जहां गर्भदान, प्रथम संस्कार है वहीं अंत्येष्टि अंतिम। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक सोलह दिनों को पितृ पक्ष कहा जाता है। श्राद्ध के द्वारा पितृ ऋण से निवृत्ति प्राप्त होती है इसलिए पितृ पक्ष के दौरान भक्ति पूर्वक तर्पण (पितरों को जल देना) करना चाहिए।हिंदू धर्म में श्राद्ध और तर्पण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। यह प्रक्रिया पितरों (पूर्वजों) के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक तरीका है। शास्त्रों के अनुसार, श्राद्ध और तर्पण से पितरों की आत्मा को शाति मिलती है और उनकी कृपा से परिवार में सुख, शांति, और समृद्धि आती है। पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान बड़ी संख्या में किया जाता है। सही मायनों में कहा जाए तो श्राद्ध का उद्देश्य पितरों की आत्मा को तृप्ति प्रदान करना है। मान्यता है कि पितरों का आशीर्वाद न मिलने से रक्त संबंधित व्यक्ति और उसके परिवार में समस्या आ सकती है। ब्रह्म पुराण और विष्णु पुराण सहित अन्य पुराणों के अनुसार, श्राद्ध और तर्पण के माध्यम से हम पितरों को जल. अन्न और अन्य सामग्री अर्पित करते हैं, जिससे उनको आत्मा संतुष्ट होती है। विशेष रूप से पितृ पक्ष (सोलह श्राद्ध) में यह प्रक्रिया को जाती है।

भारतीय पुराणों में तीन ऋणों का उल्लेख है देव ऋण , मनुष्य ऋण और पितृ ऋण। देव पूजन जितना आवश्यक है पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 18 महापुराणों में भी श्राद्ध, तर्पण और पितरों के पूजन का विभिन्न रूपों में उल्लेख मिलता है। शास्त्रों में विशेष तिथि श्राद्ध के दिन दैहिक कर्म करने के बाद विभिन्न प्रकार के श्राद्ध होते हैं जैसे कि एकोदिष्ट श्राद्ध, नित्य श्राद्ध, नैमित्तिक श्राद्ध, सोरस श्राद्ध (सोलह बाद्ध) और महालय श्राद्ध इन्हें समय-समय पर किया जाना चाहिए क्योंकि पितरों की अपेक्षाएं और भावनाएं हमारे साथ जुड़ी होती हैं।यदि पितर अतृप्त होते हैं तो उनके रक्त संबंधी या करीबी को वह आजीवन प्रभावित करते हैं जिससे उन्हें जीवनमें अनेक समस्याओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। श्राद्ध के प्रतीक कुश, तिल, गाय, कौआ, कुत्ते को श्राद्ध के तत्व के प्रतीक के रूप में माना जाता है। कुश के अग्रभाग में ब्रह्मा, मध्य भाग में विष्णु,मूल भाग में भोलेशंकर भगवान का निवास माना गया है।कौआ यम का प्रतीक है जो दिशाओं का फलक बताता है। गौ माता तो हिंदू धर्म में सारी वैतरणी को पार लगाने वाली माता के रूप में देखा जाता है। दिन की शुरुआत से पहले गाय को पहली रोटी देने की परम्परा अपने देश में बरसों से चली आ रही है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष या श्राद्ध पक्ष में दान का विशेष महत्व माना गया है जिससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। कहते हैं पितृ पक्ष के इन 15 दिनों में अपने पितरों के नाम का दान जरूर करना चाहिए जिससे महापुण्य की प्राप्ति होती है लेकिन कुछ ऐसी भी चीजें हैं जिनका पितृ पक्ष में दान नहीं करना चाहिए। पितृ पक्ष में लोहे से बने बर्तनों का कभी भी दान नहीं करना चाहिए। इसके अलावा आप चाहें तो पीतल, सोने और चांदी के बर्तनों का दान कर सकते हैं। पितृ पक्ष में चमड़े से बनी चीजों या वस्तुएं का इस्तेमाल निषेध है। माना जाता है कि पितृ पक्ष में चमड़े का प्रयोग बहुत अशुभ होता है।

इसके अलावा, पितृ पक्ष में पुराने कपड़े भी दान में देना अच्छा नहीं माना जाता है। पितृ पक्ष में हमेशा ब्राह्मणों को नए वस्त्र ही दान करने चाहिए। हिंदू पूजा और सभी अनुष्ठानों में काले रंग का इस्तेमाल करना निषेध होता है, साथ ही अशुभ भी होता है इसलिए पितृ पक्ष में काले रंग के वस्त्र दान करने से बचें। पितृ पक्ष में किसी भी तरह का तेल दान में नहीं करना चाहिए। सरसों के तेल के दान से बचना चाहिए। इसी तरह से श्राद्ध पक्ष में पितरों को सिर्फ शुद्ध एवं ताजा भोजन ही अर्पित करना चाहिए। पितरों को गलती से भी झूठा या बचा खाना नहीं देना चाहिए। पितृ पक्ष में अगर कोई जानवर या पक्षी आपके घर आए, तो उसे भोजन जरूर कराना चाहिए। मान्यता है कि पूर्वज इन रूपों में कभी भी आपके घर आ सकते हैं। हमारे पुराने घरों में चिड़ियाँ को दाना डालने की भी पुराणी परंपरा रही है। पितृ पक्ष में पत्तल पर भोजन करें और ब्राह्मणों को भी पत्तल में भोजन कराएं, तो यह फलदायी होता है। पूजा-अनुष्ठान, उद्यापन, कथा, विवाह आदि में चाहे ब्राह्मणों की परीक्षा न करें, लेकिन घर पर पितृ कार्य में अवश्य करें। समस्त लक्षणों से युक्त, हाथ का सच्चा, व्याकरण का विद्वान, शील एवं सदुणों से युक्त, तीन पीढ़ियों से विख्यात ब्राहाणों के द्वारा संयत रहकर श्राद्ध सम्पन्न करे तो यह परिवार के लिए फलदायी रहता है।

श्राद्ध पांच प्रकार के होते हैं जिनमें पितृपक्ष के श्राद्ध पार्वण श्राद्ध कहलाते हैं। इनमें अपराह्न व्यापिनी तिथि की प्रधानता है। जिनकी मृत्यु तिथि का ज्ञान न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या को करना चाहिए। श्राद्ध हमेशा मृत्यु होने वाले दिन करना चाहिए। अग्नि में जलकर, विष खाकर, दुर्घटना में या पानी में डूबकर, शस्त्र आदि से जिनकी मृत्यु हुई हो उनका श्राद्ध चर्तुदशी को करना चाहिए। आश्विन कृष्ण पक्ष में सनातन संस्कृति को मानने वाले सभी लोगों को प्रतिदिन अपने पूर्वजों का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए, इससे पितर संतृप्त होकर हमें आशीर्वाद देते हैं।आज की नई पीढ़ी इन सब चीजों को ढकोसला बताती है जो सही नहीं है। भारतीय कर्मकांड को आज विज्ञान भी मान रहा है। आश्विन मास का कृष्ण पक्ष पितरों के लिए महापर्व का समय है। इसमें ये पिंडदान और तिलांजलि की आशा लेकर पृथ्वी लोक पर आते हैं इसलिए श्राद्ध का कभी भी परित्याग न करें, अपने पितरों को संतुष्ट जरूर करें तभी आपके जीवन में खुशहाली आ सकती है अन्यथा जीवन भर कष्ट का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विष्णु पुराण में पितरों के श्राद्ध और तर्पण का महत्व बताया गया है। इसमें कहा गया है कि पितरों को अर्पित जल और अन्न से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। इसी तरह से ब्रह्म पुराण में पितरों के लिए श्राद्ध की विधियों का विवरण इस पुराण में मिलता है जिसमें यह भी बताया गया है कि पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए विशेष तिथि पर श्राद्ध करना आवश्यक है। वहीं शिव पुराण में श्राद्ध की प्रक्रिया और इसके लाभों का उल्लेख मिलता है। भागवत पुराण में पितरों के तर्पण और श्राद्ध की विधियां और उनका महत्व वर्णित है। इसमें पितरों को अर्पित सामग्री की विधि भी बताई गई है। मत्स्य पुराण में पितरों के श्राद्ध की विभिन्न विधियों, जैसे एकोदिष्ट और नित्य श्राद्ध, का विवरण इस पुराण में मिलता है। नारद पुराण में भी पितरों के प्रति श्राद्ध की विधियां और इसके महत्व का विस्तृत वर्णन किया गया है। वामन पुराण में पितरों के श्राद्ध और तर्पण की प्रक्रिया का उल्लेख मिलता है जिसमें पितरों को शांति देने के उपाय बताए गए हैं। कूर्म पुराण में पितरों की आत्मा को शांति देने के लिए श्राद्ध की प्रक्रियाओं का वर्णन किया गया है। इसी तरह से लिंग पुराण में पितरों के श्राद्ध और तर्पण की विधियों का वर्णन किया गया ? है और यह बताया गया है कि इससे पितरों को शांति मिलती है। गरुड़ पुराण, श्रीभगवत पुराण, सत्यम्बुधि पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, स्मृति पुराण, प्रदीप पुराण, अग्नि पुराण, श्री भागवत पुराण और कालिक पुराण में भी पितरों के श्राद्ध की विधियां, आत्मा को शाति देने के लिए प्रक्रियाओं और धार्मिक महत्व के बारे में बताया गया है।

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में उनकी मृत्यु तिथि को (मृत्यु किसी भी मास या पक्ष में हुई हो) जल, तिल, चावल, जौ और कुश पिंड बनाकर या केवल सांकल्पिक विधि से उनका श्राद्ध करना, गौ ग्रास निकालना और उनके निमित्त ब्राह्मणों को भोजन करा देने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी प्रसन्नता हमें जीवन में पितृ ऋण और पितृ दोषों से मुक्त करा देती है। शास्त्रों के अनुसार, पितरों की आज्ञा का पालन और उनके लिए श्राद्ध करना संतान की सार्थकता को सिद्ध करता है।यह भी कहा गया है कि एक बार गया श्राद्ध करने से संतान होना सार्थक होता है। पितरों के निमित्त श्राद्ध एक महत्वपूर्ण अंग है, जो परिवार में शांति और समृद्धि का कारण बनता है। श्राद्धकर्ता को पितृपक्ष में क्षौर कर्म यानी बाल या नाखून नहीं कटवाने चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन, पान खाना, किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन, तेल मालिश और परान्न भोज ये सात बातें श्राद्धकर्ता के लिए वर्जित हैं। श्राद्ध के अंत में अपने पितरों से क्षमा प्रार्थना जरूर करें।

(यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)

लायंस क्लब इंदौर सेवा सप्ताहः सेवा, संवेदना और सामाजिक दायित्व

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश
लेखक स्वतंत्र वरिष्ठ पत्रकार हैं।

समाज केवल संस्थाओं, व्यवस्थाओं और संसाधनों से नहीं बनता, बल्कि उसके वास्तविक स्वरूप का निर्माण उस संवेदना से होता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति दूसरों के सुख-दुख को अपना समझता है। जब सेवा किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामाजिक सरोकार का रूप लेती है, तब वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आधारशिला बन जाती है। इसी भावना को सार्थक रूप देने में सेवा संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 त्न-1 द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह(2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2026)इसी सामाजिक दायित्व, संवेदना और सेवा-समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती और स्वच्छता के संदेश से प्रारंभ होने वाला यह सप्ताह सेवा के विभिन्न आयामों को एक व्यापक सामाजिक अभियान के रूप में सामने रखता है। सप्ताह का उद्देश्य केवल कुछ दिनों तक सेवा गतिविधियों का आयोजन करना नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना और उसे व्यवहार में उतारना है। इस वर्ष सेवा सप्ताह की गतिविधियों को समाज की समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, डिजिटल सुरक्षा, रक्त एवं अंगदान, ई-वेस्ट और प्लास्टिक मुक्त शहर, खाद्य सेवा तथा वरिष्ठजन सम्मान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखा गया है। इस दृष्टि से यह सप्ताह सेवा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का भी अभियान बन जाता है।

2 अक्टूबर को 'स्वच्छ एवं सुंदर शहर' के संदेश के साथ सेवा सप्ताह की शुरुआत होगी। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों की सफाई, प्लास्टिक मुक्त अभियान, किसी एक स्थान को गोद लेकर उसकी स्वच्छता की जिम्मेदारी, स्वच्छता रैली अथवा मानव श्रृंखला तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति संकल्प जैसी गतिविधियों को आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है क्योंकि स्वच्छ शहर केवल नगर निकायों के प्रयासों से नहीं बनते; इसके लिए नागरिकों का व्यवहार बदलना भी आवश्यक है। सड़क पर कचरा न डालना, प्लास्टिक का विवेकपूर्ण उपयोग करना और सार्वजनिक स्थलों को अपना समझना ही वास्तविक नागरिक अनुशासन है। स्वच्छता का संदेश तभी स्थायी बनेगा, जब वह अभियान से आगे बढ़कर जीवनशैली का हिस्सा बने। सेवा सप्ताह के दौरान सभी लायंस सदस्यों द्वारा यही विचार अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के प्रयास रहेगा।

3 अक्टूबर को 'स्वस्थ शहर' की अवधारणा के अंतर्गत बेसिक हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे। रक्तचाप, बॉडी मास इंडेक्स (ङ्क्चरूढ्ढ), रक्त शर्करा और नेत्र परीक्षण जैसी प्राथमिक स्वास्थ्य जांचें सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान में उपयोगी हो सकती हैं। स्वास्थ्य सेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना भी होना चाहिए। 'हर व्यक्ति स्वस्थ हो' का संदेश तभी सार्थक होगा, जब स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य जागरूकता समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे।

4 अक्टूबर को 'महिला सशक्तीकरण' को सेवा सप्ताह का प्रमुख विषय बनाया गया है। कौशल विकास और करियर मार्गदर्शन, वित्तीय साक्षरता एवं स्वयं सहायता समूह, डिजिटल एवं साइबर सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता, महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी, बालिकाओं की शिक्षा और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन तथा प्रेरणादायी महिलाओं का सम्मान जैसी गतिविधियां महिला सशक्तीकरण को व्यापक अर्थ प्रदान करती हैं। महिला को केवल सहायता का पात्र मानने के बजाय उसे ज्ञान, कौशल, निर्णय क्षमता और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराना अधिक प्रभावी सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। 'सशक्त नारी, सशक्त समाज' केवल एक नारा नहीं, बल्कि समावेशी विकास की आवश्यकता है।

5 अक्टूबर को 'डिजिटल सेफ्टी डे' के माध्यम से डिजिटल युग की नई चुनौतियों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि आज डिजिटल लेन-देन ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर धोखाधड़ी के नित्य नए रूप भी सामने आ रहे हैं। यूपीआई फ्रॉड, ओटीपी के माध्यम से ठगी, फर्जी लोन ऐप, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड और साइबर बुलिंग जैसे विषयों पर जागरूकता आवश्यक है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और डिजिटल तकनीक का तेजी से उपयोग करने वाले लोगों को यह समझना जरूरी है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड, पिन अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। डिजिटल सुविधा तभी उपयोगी है, जब उसके साथ डिजिटल सावधानी भी हो। 'डिजिटल सुरक्षित समाज' आज सामाजिक सुरक्षा का एक नया आयाम बन चुका है।

6 अक्टूबर को 'जीवन बचाओ दिवस– 'एवरी ड्रॉप अ लाइफ' के अंतर्गत रक्तदान, रक्तदाता पंजीयन, अंगदान जागरूकता और नेत्रदान जागरूकता जैसी गतिविधियां आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्तदान ऐसी मानवीय सेवा है, जिसमें दान की गई रक्त की एक इकाई किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा जगा सकती है। इसी प्रकार अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता समाज में मृत्यु के बाद भी जीवन और दृष्टि के रूप में योगदान देने की भावना विकसित करती है। 'जीते जी रक्तदान, मरणोपरांत नेत्रदान' का संदेश सेवा की उस व्यापक भावना को सामने रखता है जिसमें व्यक्ति अपने जीवन के साथ-साथ अपने जीवन के बाद भी समाज के लिए उपयोगी बनने का संकल्प ले सकता है।

7 अक्टूबर को 'ई-वेस्ट एवं प्लास्टिक मुक्त शहर' के साथ 'फूड फॉर हंगर' की गतिविधियां सेवा के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने लाएंगी। मोबाइल, कंप्यूटर, चार्जर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे का उचित संग्रह और निस्तारण आज पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसी तरह प्लास्टिक संग्रह अभियान नागरिकों को यह समझाने का माध्यम बन सकता है कि कचरा केवल फेंकने वाली वस्तु नहीं, बल्कि उचित प्रबंधन के माध्यम से संसाधन भी बन सकता है। दूसरी ओर जरूरतमंदों को भोजन पैकेट उपलब्ध कराना, अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन सेवा तथा वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रमों में आवश्यकता के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराना मानवीय संवेदना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

(यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)

कोहली-गिल के शतकों से भारत की शानदार जीत

तिरुवनंतपुरम। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट से जीत दर्ज की। ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी जोड़ी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 7 विकेट पर 295 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने विराट कोहली और शुभमन गिल के शानदार शतकों की मदद से लक्ष्य को 42वें ओवर में ही 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम के लिए कप्तान शुभमन गिल ने शानदार 110 रनों की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे गिल ने 96 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उनकी पारी में 12 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं विराट कोहली ने इससे भी अधिक आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 74 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया। विराट 88 गेंदों पर 139 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी में 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे। विराट ने लगातार दो छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाई।विराट कोहली और शुभमन गिल के बीच दूसरे विकेट के लिए 132 गेंदों पर 151 रनों की शानदार साझेदारी हुई। इससे पहले सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 35 गेंदों पर 2 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 32 रन बनाए। रुतुराज गायकवाड़ 13 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट हासिल किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम को सलामी जोड़ी ने दमदार शुरुआत दिलाई। जॉन कैंपबेल ने जस्टिन ग्रीव्स के साथ पहले विकेट के लिए 19.2 ओवर में 135 रनों की साझेदारी की। जॉन कैंपबेल 60 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ग्रीव्स ने कीसी कार्टी के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 गेंदों में 41 रन जोड़े। कीसी कार्टी ने टीम के खाते में 13 रन का योगदान दिया, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने तेजी से विकेट गंवाए।198 रन के स्कोर तक वेस्टइंडीज के 5 विकेट गिर चुके थे। इस दौरान 36वें ओवर की लगातार दो गेंदों पर कुलदीप यादव ने जस्टिन ग्रीव्स और ज्वेल एंड्रयू को पवेलियन भेज दिया। जस्टिन ग्रीव्स ने 108 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 101 रन बनाए। इसके बाद आमिर जंगू ने मोर्चा संभाला। उन्होंने रोस्टन चेज के साथ छठे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। चेज 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जंगू ने मैथ्यू फोर्ड के साथ सातवें विकेट के लिए 38 रन जोड़कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। मैथ्यू फोर्ड ने 7 रन बनाए। आमिर जंगू 43 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 10 ओवर में 40 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट अपने नाम किए।

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा टी20 लीगः राउरकेला सुपरस्टार्स ने भुवनेश्वर टाइगर्स को तीन विकेट से हराया

कटक। अभिषेक यादव की दबाव में खेली गई नाबाद 61 रन की शानदार पारी की बदौलत राउरकेला सुपरस्टार्स ने ओडिशा टी20 लीग - सीएम ट्राफी में भुवनेश्वर टाइगर्स को तीन विकेट से हरा दिया। बाराबती स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भुवनेश्वर टाइगर्स की पूरी टीम 149 रन पर सिमट गई। टाइगर्स ने शुरुआती 20 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद संबित बेजा और श्रेयांश भारद्वाज ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। संबित बेजा ने 19 गेंदों में 25 रन बनाए, जबकि श्रेयांश भारद्वाज ने 28 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। हालांकि, राउरकेला के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट हासिल करते हुए भुवनेश्वर को बड़ी साझेदारी बनाने से रोके रखा। रुद्र प्रसाद मलिक ने एक छोर संभाले रखा और 35 गेंदों में 47 रन की धैर्यपूर्ण पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राउरकेला की ओर से पापू राय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राउरकेला सुपरस्टार्स की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने आठ ओवर के भीतर 49 रन पर चार विकेट गंवा दिए। लगातार विकेट गिरने से मुकाबला रोमांचक हो गया, लेकिन अभिषेक यादव ने एक छोर संभाले रखा।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार

नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी।माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है। पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं।

टेस्ट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनने वाले विश्व के पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल है। इस विशिष्ट सूची में भारत के सचिन तेंदुकर और राहुल द्रविड़ के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के जैक कालिस और आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिग व इंग्लैंड के जो रुट भी शामिल हैं। सबसे पहले ये उपलब्धि सचिन ने हासिल की थी। सचिन को इस आंकड़े तक पहुंचने में 20 साल और 63 दिन का समय लगा था। उन्होंने साल 2010 में बांग्लादेश के खिलाफ 163 वें टेस्ट मैच की 266वीं पारी के दौरान सबसे तेजी से 13,000 रन पूरे करने का रिकार्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीकी आलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 2 जनवरी 2013 को न्यूजीलैंड के खिलाफ केप टाउन में यह उपलब्धि हासिल की। अपने डेब्यू के 17 साल और 19 दिन बाद, 159वें मैच की 269वीं पारी में कैलिस ने 13,000 रनों का आंकड़ा पार किया। इस प्रकार उन्होंने 13000 तक पहुंचने के लिए सचिन से केवल 3 पारियां अधिक खेली।

एशियन गेम्स में भारत को 4 रजत सहित 7 पदक

सर्वेश ने ऊंची कूद में जीता रजत; आठवें दिन भारत की पदक संख्या 37 हुई

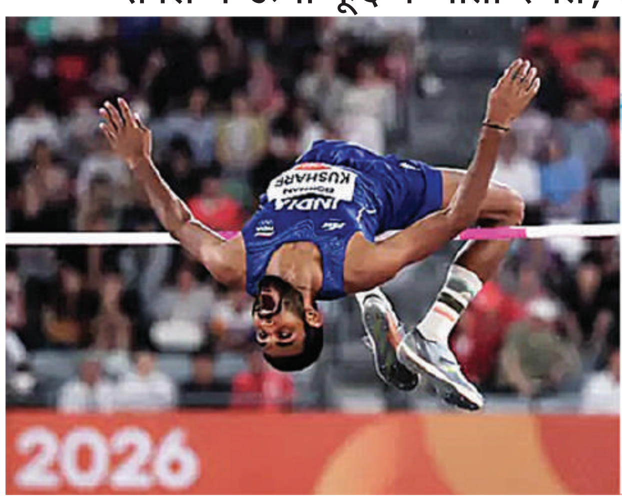

एशियन गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	118	48	38	204
2	जापान	37	60	57	154
3	दक्षिण कोरिया	20	23	39	82
4	उज्बेकिस्तान	10	17	11	38
5	कजाकिस्तान	9	10	21	40
6	थाईलैंड	9	7	10	26
7	बहरीन	8	2	3	13
8	ईरान	7	14	8	29
9	उत्तर कोरिया	6	5	4	15
10	मलेशिया	6	2	8	16
12	भारत	4	16	17	37

नागोया (जापान)।

भारत ने एशियन गेम्स में रविवार को 4 रजत सहित कुल 7 पदक जीते।

सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक हासिल किया। उन्होंने 2.25 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई।

रविवार को पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:08.67 के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता।

इससे पहले एंसी सोजन ने महिलाओं की लंबी कूद में 6.53 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता, जबकि तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में 7934 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

स्कॉश में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने रजत पदक अपने नाम किए। हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.20 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल और परवीन हुड्डा ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर दो और पदक पक्के कर लिए।

अंकुश ने पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को, जबकि परवीन ने महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की नवबहोर खामिदोवा को 5-0 से हराया।

आठवें दिन भारत ने अब तक 7 पदक जीते हैं। इसके साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 37 हो गई है। इनमें 4 स्वर्ण, 16 रजत और 17 कांस्य पदक शामिल हैं।

मुरली पुरुषों की लंबी कूद के फाइनल में

लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन ने एथलेटिक्स की पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। दोनों सोमवार को फाइनल में उतरेंगे। वहीं, पीवी सिंधु बैडमिंटन की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। उन्हें चीन की चेन यूफेई ने 11-21, 21-18, 21-10 से हराया।

28 सितंबर को भारतीय खिलाड़ियों का व्यस्त कार्यक्रम

एशियन गेम्स 2026 में 28 सितंबर का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहद व्यस्त रहने वाला है। इस दिन क्रिकेट, हॉकी, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, निशानेबाजी, तीरंदाजी, स्कॉश, वॉलीबॉल और अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे। खास तौर पर भारत-अफगानिस्तान पुरुष क्रिकेट क्वार्टर फाइनल और एथलेटिक्स की कई पदक स्पर्धाओं पर नजर रहेगी। दिन की शुरुआत सुबह सर्फिंग और तीरंदाजी से होगी, जबकि दोपहर और शाम के सत्र में भारतीय खिलाड़ियों के कई पदक मुकाबले होंगे। अविनाश साबले, लवलीना बोरगोहेन और नीरज शैली के एथलेटिक्स मुकाबलों, निशानेबाजी में मनु भाकर की टीम तथा पुरुष क्रिकेट टीम पर खास निगाहें रहेंगी।

हरिता भद्रा ने जीता कांस्य

जापान के आईची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में रविवार को भारत के लिए एथलेटिक्स ट्रैक से शानदार खबर आई। भारतीय धाविका हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के फाइनल में सेकंड के 100वें हिस्से यानी 0.01 सेकंड के मामूली अंतर से रोमांचक कांस्य पदक अपने नाम किया। हरिता ने 23.20 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर दौड़ पूरी की, जबकि जापान की इडो अबिगेइरुफुका 23.21 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

सिंगापुर की शांति परेरा ने 22.78 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक और चीन की चेन युजी ने 22.93 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने खिलाड़ियों की अनुबंध फीस घटायी

जमैका

क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुबंध फीस 25 फीसदी कम कर दी है। बोर्ड के अनुसार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सालाना अनुबंध मिलता रहेगा पर उनकी तय फीस पहले के मुकाबले 25 फीसदी कम होगी। वहीं घरेलू खिलाड़ियों को भी अब सात महीने को ही अनुबंध मिलेगा।

पैसे की कमी के कारण ही बोर्ड ने पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताएं रोक दी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस डियरिंग ने कहा कि खिलाड़ियों और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन ने वर्तमान हालातों को समझते हुए सहयोग किया है। उन्होंने माना कि फीस में कटौती सही नहीं कही जा सकती पर इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। बोर्ड के अनुसार पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताओं को इसलिए आयोजित नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि इन्हें आयोजित करने पर काफी खर्च आता है। गौरतलब है कि सुपर50 वेस्टइंडीज की पुरुष एकदिवसीय टीम तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अहम मंच रहा है। ऐसे में इसका रुकना विकास और चयन प्रक्रिया पर भी असर डाल सकता है। वहीं अनुबंध राशि कम होने से टीम के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी लीग की तरह भाग सकते हैं। पहले ही उसके कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर दुनिया भर की लीग में खेलते हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को फरवरी-मार्च 2027 में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी।

अब बोर्ड का कहना है कि उसका ध्यान पुरुष टीम को इस क्वालीफायर के लिए तैयार करने पर रहेगा।क्रिस डियरिंग के मुताबिक, घरेलू क्रिकेट व्यवस्था पर यात्रा, होटल, मैच और आयोजन से जुड़ा खर्च लगातार बढ़ता गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में केवल घरेलू विमान सेवाओं पर 80 मिलियन अमेरिकी डालर से अधिक खर्च किए गए हैं।

सीएसके को फिर से शीर्ष पर पहुंचाना है लक्ष्य : जहीर

मुम्बई। आईपीएल के 2027 सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नये मुख्य कोच बने जहीर खान बेहद उत्साहित हैं। जहीर को हाल ही में स्टीफन फ्लेमिंग की जगह कोच बनाया गया था। कोच बनने के बाद जहीर ने कहा कि उनका लक्ष्य सीएसके को एक बार फिर शीर्ष पर पहुंचाना रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे बड़ी जिम्मेदारी मिली है और वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे। जहीर को कोच बनाने में टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की मुख्य भूमिका रही है। इसी को लेकर उन्होंने कहा, जब आप धोनी के बारे में बात करते हो, आप निरंतरता देखोगे, उनका कोच साथ सौहार्द देखोगे, ये कुछ ऐसा रहा है जो बहुत विशेश है. मैंने जब भी चेन्नई टीम का सामना किया, ये बहुत मजबूत टीम रही है. और यही वो खूबी है जिसे हमें आगे ले जाना है। इसलिए जिम्मेदारी बड़ी है क्योंकि हमें उस स्तर को बनाये रखना है। बहुत सारी उम्मीदें हैं, जो बहुत सारा दबाव भी लेकर आती है। ये कठिन चुनौती है जिसका मैं मैं इंतजार कर रहा हूं. सीएसके के कोच बनने की प्रक्रिया को लेकर जहीर ने कहा, धोनी सीएसके के लिए एक बहुत बड़ी ताकत रहे हैं। टीम की दिशा कैसी होनी चाहिए, इसे समझने में उनकी भूमिका बहुत अहम रही है।

एशियन गेम्स 2026 : भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें सेमीफाइनल में

आइची-नागोया (जापान)

भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने जारी एशियन गेम्स 2026 में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

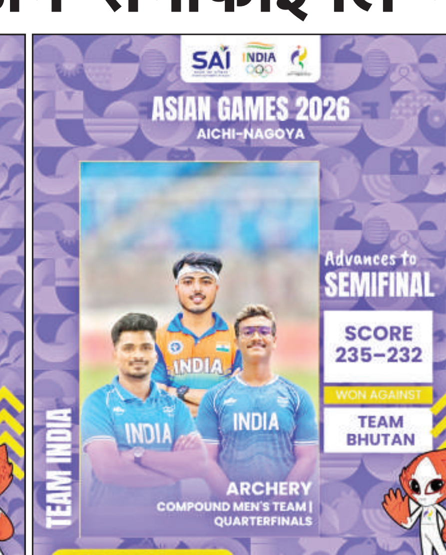

पुरुष टीम में साहिल जाधव, गणेश मणिरत्नम और कुशल दलाल की तिकड़ी ने भूटान को बेहद करीबी मुकाबले में 235-232 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

महिला टीम में चिकिता तनीपार्थी, ज्योति सुरेखा वेन्नम और पृथिका प्रदीप ने कजाकिस्तान को 233-230 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला टीम छह तीरों के पहले सेट के बाद पीछे चल रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए कजाकिस्तान को तीन अंकों के मामूली अंतर से मात दी।

इससे पहले पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के मुकाबले में यूएई के खिलाफ 235-215 से शानदार जीत दर्ज की थी। वहीं, महिला टीम ने मंगोलिया के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 238-223 से जीत हासिल की थी।

स्मिथ सहित ये दिग्गज बल्लेबाज शुरुआत में करते थे गेंदबाजी

सिडनी

विश्व क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ सहित कुछ क्रिकेटर ऐसे भी है जो अपने करियर की शुरुआत में गेंदबाजी करते थे पर संयोग से बल्लेबाज बन गये। किस्मत से बल्लेबाज बने ये खिलाड़ी बेहद सफल रहे और आज इनकी गिनती दिग्गज बल्लेबाजों में होती है। स्मिथ की बात करें तो वह अपने करियर की शुरुआत में मुख्य रूप से एक लेग-स्पिनर थे। वह निचले क्रम में थोड़ी-बहुत बल्लेबाजी कर लेते थे। साल 2010 में जब उनका अंतरराष्ट्रीय डेब्यू हुआ, तब वह आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते थे. बाद में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी तकनीक पर कड़ी मेहनत की और आज स्मिथ दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में गिने जाते हैं।

श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या ने भी अपने करियर की शुरुआत एक स्पिन गेंदबाज के रूप में की थी और निचले क्रम में वह केवल तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। सन 1989 में डेब्यू के बाद कई सालों तक वह सातवें या आठवें नंबर पर आते थे और टीम में उनका मुख्य काम कसी हुई गेंदबाजी कर रन रोकना और विकेट लेना था पर साल 1995-96 के दौरान श्रीलंकाई टीम प्रबंधन और कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने उन्हें वनडे में ओपनिंग करने भेजा. यहीं से जयसूर्या एक आक्रमक सलामी बल्लेबाज के रूप में उभरकर सामने आए।

इंग्लैंड के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाने वाले केविन पीटरसन ने अपने करियर की शुरुआत एक आफ-स्पिनर के तौर पर की थी, जो निचले क्रम के बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरते थे। बाद में काउंटी क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने के बाद 2004-05 में उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में मध्यक्रम के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में चुना गया।. उसके बाद पीटरसन ने कई रिकार्ड बनाये।

वहीं इस सूची में भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भी हैं। रोहित अपने स्कूल के दिनों में एक आफ-स्पिनर के तौर पर खेलते थे। उनके कोच दिनेश लाड ने उनके अंदर बल्लेबाजी की ऐसी प्रतिभा देखी कि उन्होंने रोहित को गेंदबाजी छोड़कर पूरी तरह बल्लेबाजी पर ध्यान लगाने की सलाह दी हालांकि, उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत एक मध्य क्रम बल्लेबाज के रूप में हुई थी, लेकिन उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ 2013 की आईसीसी चैंपियंस ट्राफी रहा। जब उस समय कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी धोनी ने उनसे ओपनिंग कराई. उसके बाद तो रोहित सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गये। इसके अलाव पाकिस्तान के नासिर जमशेद का नाम भी इस सूची में शामिल है। नासिर जमशेद शुरुआत में वसीम अकरम और शोएब अख्तर जैसे तेज गेंदाज बनाना चाहते थे। हालांकि, जूनियर स्तर पर ट्रायल्स और क्लब मैचों के दौरान पाय गया कि वह बेहतर बल्लेबाज बन सकते हैं।

ऑल इन वन

सोमवार, 28 सितंबर, 2026
हैदराबाद

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रत जैन मूर्तिपूजक संघ ने किया सामूहिक क्षमापना एवं स्वामीवात्सल्य का आयोजन

बेंगलूरु, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रत जैन मूर्तिपूजक संघ, माधवनगर कुमारापार्क के तत्वावधान में रविवार को माधवनगर में सामूहिक क्षमापना एवं स्वामीवात्सल्य कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गणिवर्यश्री गुणहंसविजयजी म.सा. आदि ठाणा एवं श्रीवीरेशपद्माश्रीजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा प्राप्त हुई।

इस अवसर पर गणिवर्यश्री गुणहंसविजयजी म.सा. ने क्षमापना के महत्व पर प्रवचन देते हुए क्षमाभाव, आत्मशुद्धि तथा आपसी प्रेम-सौहार्द के महत्व को समझाया और सभी को क्षमा मांगने एवं क्षमा करने की प्रेरणा दी। संघ अध्यक्ष मोहनलाल मरलेचा ने साधु-साध्वी भगवंतों एवं उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम में पाठशाला एवं वाटिका के बच्चों ने नाटक और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें श्रद्धालुओं ने सराहा। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जैन परिवारों ने भाग लिया।

संघ सचिव प्रकाश पिरगल ने सभी साधु-साध्वी भगवंतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्रावक-श्राविकाओं एवं सहयोगियों का आभार माना। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में क्षमा, मैत्री, एकता एवं धार्मिक भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश मरलेचा, कांतिलाल शाह, जयेश कोठारी, ललित सिंघवी, निर्मल वेदमुथा, नितिन साकरिया, युवराज वेदमुथा, प्रीतेश सुराणा, अमित मेहता, भावेश जैन, संदीप मेहता, राजेश पिरगल आदि का सहयोग रहा। मंच संचालन निशा जैन एवं हीरेन गुरुजी ने किया।

बच्चों की प्रस्तुतियों की तैयारी एवं प्रस्तुति में निकिता भंडारी, काजल समदरिया, हर्षा पिरगल, पूजा सोफोदिया, जोसुवा पोरवाल, गुंजन हुंडिया एवं वीणा जैन का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन श्रद्धा, क्षमाभाव एवं मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

मुस्लिम महिलाओं को वितरित की गईं 375 सिलाई मशीनें

मंचेरियल, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल नगर निगम क्षेत्र स्थित शादीखाना माइनॉरिटी फंक्शन हॉल में तेलंगाना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी इंदिरम्मा महिला शक्ति योजना के तहत मंचेरियल विधानसभा क्षेत्र की मुस्लिम महिलाओं को 375 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंचेरियल जिला पूर्व डीसीसी अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेत्री कोक्किराला सुरेखा प्रेम सागर राव ने अधिकारियों के साथ लाभार्थी महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान कीं। इस अवसर पर सुरेखा प्रेम सागर राव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। सिलाई मशीनों के माध्यम से महिलाएं घर से ही रोजगार प्राप्त कर सकती हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। कार्यक्रम के बाद माइनॉरिटी जिला अध्यक्ष एवं कॉरपोरेटर खालिद सहित मुस्लिम महिलाओं ने सुरेखा प्रेम सागर राव का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में मंचेरियल नगर निगम मेयर धरनी मधुकर, डिप्टी मेयर सल्ला रम्या-महेश, लक्षेट्टीपेट नगरपालिका अध्यक्ष दोंता अंबली-नरसैया, मंचेरियल जिला आरटीए सदस्य अंकति श्रीनिवास, नगर निगम कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष एवं कॉरपोरेटर तूमुला नरेश, मंचेरियल मार्केट कमेटी अध्यक्ष रामगिरी बानेश, मंचेरियल जिला इंटक अध्यक्ष पूदारी तिरुपति, मंचेरियल जिला आरजीपीआरएस अध्यक्ष गड्डम त्रिमूर्ति, लक्षेट्टीपेट नगर अध्यक्ष सैयद शाहिद अली, कॉरपोरेटर, को-ऑप्शन सदस्य, माइनॉरिटी नेता, महिला नेता, युवा कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता एवं अन्य उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए साइकिल रैली

पेद्दापल्ली, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोधन कस्बे के अंबेडकर चौरास्ता पर आयोजित नुक्कड़ सभा में निजामाबाद सांसद अरविंद धर्मपुरी ने भाग लिया और निजामाबाद जिला किसान मोर्चा द्वारा किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आयोजित साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में विधायक धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता, हल्दी बोर्ड के अध्यक्ष पल्ले गंगा रेड्डी, निजामाबाद जिला भाजपा अध्यक्ष दिनेश कुलचारी, किसान मोर्चा अध्यक्ष तिरुपति रेड्डी सहित भाजपा नेता, किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रीनफिट हाफ मैराथन 2026 में हजारों युवाओं ने लगाई दौड़

जयपुर, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रीनफिट फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को विद्याधर नगर सेक्टर-5 स्थित रिद्धि-सिद्धि टावर से ग्रीनफिट हाफ मैराथन 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं जयपुर सांसद मंजू शर्मा उपस्थित रहीं। 10 किलोमीटर की मुख्य मैराथन को सांसद मंजू शर्मा तथा एक और तीन किलोमीटर की दौड़ को उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर दीया कुमारी ने फिट इंडिया, स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में गाय, ग्राम विकास, पर्यावरण एवं सनातन के क्षेत्र में कार्यरत सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने गोवंश संरक्षण, जैविक कृषि एवं ग्रामीण स्वावलंबन के आर्थिक महत्व की जानकारी दी।

संजय शर्मा ने 10 हजार गायों के साथ प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर ङ्गगोकुल ग्रामफस्थापित करने की योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से गोवंश संरक्षण-संवर्धन के साथ कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा तथा किसानों के लिए सुविधा केंद्र विकसित किए जाएंगे।

आयोजन में करीब 10 हजार युवाओं ने भाग लिया। संजय शर्मा एवं ग्रीनफिट फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने अतिथियों, पुलिस प्रशासन, धावकों, मीडियाकर्मियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन का समापन स्वास्थ्य, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना एवं गौ-संवर्धन के संकल्प के साथ हुआ।

श्री वीर जी भगवान मेले का भव्य आयोजन

भादरवा पूनम पर धार्मिक अनुष्ठान, महाआरती एवं प्रसाद की व्यवस्था

सिरोही समाज के सवा दो सौ समाजबंधुओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भादरवा पूनम के अवसर पर गुलाब एंड घी बैंक्वेट में सिरोही के मोदी एवं सेठ परिवारों की ओर से श्री वीर भगवान मेले का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड, सिरोही ने बताया कि समारोह में धार्मिक अनुष्ठान, महाआरती तथा भोजन एवं प्रसाद की सुंदर व्यवस्था की गई, जिसमें लगभग सवा दो सौ समाजबंधुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर कविता प्रवीण मोदी की ओर से सभी आमंत्रित परिवारों को प्रसाद स्वरूप पेड़े वितरित किए गए। लाभार्थी के रूप में समस्त मोदी एवं सेठ परिवारों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सफल आयोजन पर सिरोही संघ अध्यक्ष शैलेन्द्र मोदी एवं संघ के सभी भूतपूर्व अध्यक्षों सहित सभी गणमान्यजनों ने मोदी एवं सेठ परिवारों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

31 उपवास की तपस्या पर सामयिक का आयोजन

श्रीमती मानसीबेन शाह की 31 उपवास की तपस्या के निमित्त पिंकीबेन जतिनभाई संघवी की ओर से रसूलपुरा आराधना भवन में 125 श्राविकाओं के लिए सामयिक का आयोजन किया गया। सामयिक के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था भी रखी गई।

रितु पुनीत जैन एवं ईश्वर सिंह डाबी को बधाई

सिरोही नगर परिषद के चुनाव में रितु पुनीत जैन के सभापति तथा ईश्वर सिंह डाबी के उपसभापति निर्वाचित होने पर रमेश पी. तातेड एवं समाज के सभी सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए असीम शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मदनूर मंडल को निजामाबाद में शामिल करने की मांग पर जांच के निर्देश

मदनूर, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल को निजामाबाद जिले में शामिल करने की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों की ओर से प्रजा वाणी कार्यक्रम के तहत 24 सितंबर को मंडल विकास कार्यालय में शिवाजी मस्कालवार सहित 19 लोगों ने अभ्यावेदन दिया। इस पर कामारेड्डी जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष सांगवान, आईएएस ने राजस्व मंडल अधिकारी, बांसवाड़ा एवं तहसीलदार, मदनूर को मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अभ्यावेदन में कहा गया कि मदनूर निजामाबाद जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर, जबकि कामारेड्डी जिला मुख्यालय से करीब 110 किलोमीटर दूर है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक एवं अन्य कार्यों के लिए कामारेड्डी जाने में उन्हें अतिरिक्त समय और खर्च करना पड़ता है। उन्होंने मदनूर से पोतंगल, कोटगीर, रुद्रूर और बोधन होकर निजामाबाद की दूरी करीब 70 किलोमीटर तथा मदनूर से बिचकुंदा, बांसवाड़ा और गांधारी होकर कामारेड्डी की दूरी करीब 110 किलोमीटर बताई। नागरिकों ने अधिकारियों से उचित सर्वे कर कलेक्टर को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने की मांग की है।

किसान उत्पादक कंपनी की चतुर्थ महासभा आज

मदनूर, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड की चतुर्थ महासभा 28 सितंबर, सोमवार को सुबह 10 बजे रायथु वेदिका, मदनूर में आयोजित की जाएगी। महासभा में कंपनी के शेयरधारकों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रवीण कुमार, निजामाबाद एवं कमरोड़ी, श्री राजू सर, श्री थॉमस सर, श्री वासुदेव राव, श्री विनय गरु एवं किसान मित्र सहित अन्य अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कंपनी के अध्यक्ष चाटलावार गोपाल ने सभी शेयरधारकों से महासभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की।

हृदयपूर्णता अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के लिए फ्यूचर सिटी पुलिस ने किए सुचारू इंतजाम

फ्यूचर सिटी/नंदिगाम, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) कांहा शांति वनम, नंदिगाम मंडल में 26 से 29 सितंबर 2026 तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय हृदयपूर्णता सेमिनार के सुचारू संचालन के लिए फ्यूचर सिटी पुलिस कमीश्नरेट ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

श्री राम चंद्र मिशन द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में देश-विदेश से 30 हजार से अधिक साधक भाग ले रहे हैं।

फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नर डॉ. तरुण जोशी, आईपीएस के मार्गदर्शन में सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और परिसर के आसपास के सभी इंतजाम प्रभावी ढंग से किए जा रहे हैं। नंदिगाम पुलिस स्टेशन के एसएचओ श्री वीरा बाबू अपने सहयोगियों के साथ मौके पर निगरानी कर रहे हैं।

बसों, कारों और अन्य वाहनों से पहुंच रहे प्रतिभागियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण चौराहों, प्रवेश-निर्गम बिंदुओं और अन्य स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। आयोजकों व संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर कार्यक्रम को बिना किसी असुविधा के सुचारू रूप से चलाने का प्रयास जारी है।

अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमेटी की बैठक राघव रत्ना टावर्स, आबिड्स स्थित समाज कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में आयोजित परिचय सम्मेलन की सफलता पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर परिचय सम्मेलन के सफल आयोजन में सहयोग के लिए मैरिज डेटा कमेटी के सभी सदस्यों को अभिभावकों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। सदस्यों ने कहा कि परिचय सम्मेलन के माध्यम से विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारों को एक-दूसरे से परिचित होने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।

बैठक में कमेटी के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, कन्वीनर अशोक जिंदल, वाइस चेयरमैन पंकज संघी, सुनील मोदी, रानी मित्तल, शीतल रूंगटा, बबीता अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

दिल्ली...

इसके बाद कूड़ा उठाने वाली गाड़ी आगे चली गई। शिकायत के मुताबिक, उसी घर से एक लड़का अपने कुछ साथियों के साथ पीछे आया और गाड़ी रुकवा ली। आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता को गाड़ी से नीचे उतारकर उसके साथ मारपीट की और उसे दो-तीन गलियां आगे तक ले गए, जहां वह बेहोश हो गया।

होश आने पर शिकायतकर्ता ने खुद को दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में पाया। उसने पुलिस को बताया कि आरोपियों में से एक लड़के का नाम करन है, जबकि बाकी आरोपियों को वह सामने आने पर पहचान सकता है। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर की जांच

शिकायत मिलने के बाद तिलक नगर थाने के निर्देश पर उपनिरीक्षक मनजीत सिंह ने हेड कांस्टेबल रवि कांत को मौके पर भेजा। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। मौके पर कोई प्रत्यक्ष शिकायतकर्ता नहीं मिला। शिकायतकर्ता की गाड़ी को पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के माध्यम से डीडीयू अस्पताल भेजे जाने की जानकारी मिली।

डीडीयू अस्पताल में शिकायतकर्ता धन बहादुर का एमएलसी नंबर एम18001552609454/26 दर्ज किया गया। एमएलसी में चोट का कारण Physical Assault/Beaten by Public Near Krishna Park Nagar दर्ज किया गया। चिकित्सक ने उपचार के बाद उसे राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल रेफर किया।

शिकायतकर्ता के बयान और उपलब्ध मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर तिलक नगर थाने में प्राथमिकी संख्या 215/2026 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 126(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मामले की जांच उपनिरीक्षक मनजीत सिंह, नंबर डी-4956 को सौंपी गई है। शिकायत और प्राथमिकी को अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) में दर्ज कर संबंधित दस्तावेज वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने की कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि 27 सितंबर को सड़क निरीक्षण के दौरान प्रवेश वर्मा और साहिब सिंह के बीच हुए विवाद का वीडियो सामने आया, जिसमें प्रवेश वर्मा को साहिब सिंह को थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है। साहिब सिंह का कहना है कि वह आम आदमी पार्टी विधायक जरनैल सिंह के लिए घटनाक्रम का सीधा प्रसारण कर रहा था, जबकि प्रवेश वर्मा ने दावा किया कि उनके परिवार के साथ कथित गाली-गलौज और बदसलूकी के बाद उन्होंने प्रतिक्रिया दी। दोनों पक्षों के दावों को लेकर राजनीतिक विवाद जारी है।

गौ माता हैं...

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, रामद्रोही इसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। वे इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकते। इसलिए वे तरह-तरह की चालें चलते हैं और अयोध्या को बदनाम करने की हर मुमकिन कोशिश करते हैं और आगे भी ऐसा ही करते रहेंगे।

राम मंदिर आंदोलन में अशोक सिंघल के योगदान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1990 में जब उत्तर प्रदेश की तत्कालीन सरकार ने अयोध्या में रामभक्तों पर गोली चलवाई थी, तब अशोक सिंघल की आवाज शेर की दहाड़ की तरह गूंजी थी। मुख्यमंत्री ने रामजन्मभूमि आंदोलन में सिंघल की भूमिका और उनके योगदान को याद किया।

अशोक सिंघल का जन्म 27 सितंबर 1926 को हुआ था और 2026 में उनकी जन्मशताब्दी वर्ष की शुरुआत हुई है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम इसी अवसर पर हुआ, जिसमें उनके जीवन और रामजन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका को याद किया गया।

विजय फिर...

आदेश में सार्वजनिक (कानून एवं व्यवस्था) विभाग को तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित खुफिया एवं सुरक्षा संगठन के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

तमिलनाडु के भ्रष्टाचार-विरोधी संगठन अरप्पोर इयक्कम ने भी मूल फैसले का विरोध किया था। संगठन ने कहा था कि सार्वजनिक विभाग की कानून एवं व्यवस्था शाखा के पास मौजूद हर सूचना को खुफिया जानकारी से जुड़ा मानना उचित नहीं है और सरकार को आदेश वापस लेना चाहिए।

विपक्ष ने भी उठाए सवाल

आरटीआई से छूट देने के फैसले पर विपक्ष की ओर से भी सवाल उठाए गए। विरोध के बीच सरकार ने नया आदेश जारी कर 21 सितंबर के आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही सार्वजनिक (कानून एवं व्यवस्था) विभाग को आरटीआई अधिनियम से प्रस्तावित छूट समाप्त हो गई और विभाग फिर से आरटीआई के दायरे में आ गया।

24 घंटे में ज्योतिषी को विशेष कार्याधिकारी पद से हटाया था

तमिलनाडु में इससे पहले मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने ज्योतिषी रिकी राधन पंडित की मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के रूप में नियुक्ति भी 24 घंटे से कम समय में रद्द कर दी थी। नियुक्ति के बाद विपक्ष और अन्य संगठनों की ओर से आल-ोचना हुई थी। सरकार ने नियुक्ति रद्द करने की आधिकारिक जानकारी 13 मई 2026 को दी थी।

राधन पंडित को मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी नियुक्त किए जाने के बाद यह फैसला वापस लिया गया था। सरकार की ओर से नियुक्ति रद्द करने के संबंध में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शासन में वैज्ञानिक सोच के प्रति प्रतिबद्धता का उल्लेख किया गया था।

लव जिहादी ...

उन्होंने बताया कि दोनों अक्सर इसी होमस्टे में ठहरते थे और शुक्रवार रात भी उन्होंने यहां कमरा बुक किया था।

बाइलुंग के अनुसार, उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद लड़की को बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एक महीने में पांचवीं बार होमस्टे आए थे दोनों : डीसीपी

गुवाहाटी पुलिस के डीसीपी (पश्चिम) बोलिन देवरी ने बताया कि आसिफ का कहना है कि छात्रा ने छत के पंखे से फांसी लगाई थी और उसने उसे नीचे उतारा था। हालांकि, पुलिस उसके इस दावे को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है। डीसीपी ने कहा कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि दोनों इसी महीने पांचवीं बार होमस्टे में ठहरने आए थे। जांच में यह भी सामने आया कि होमस्टे में दोनों से उनके दस्तावेज नहीं लिए गए थे। पुलिस ने होमस्टे के मालिक से पूछताछ कर ली है। डीसीपी ने कहा कि होमस्टे के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

सामुदायिक तनाव के बीच पुलिस ने संभाला मोर्चा

मृतका हिंदू समुदाय से थी और गिरफ्तार आरोपी मुस्लिम है। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। शनिवार को कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने घटना को ङ्गलव जिहादफसे जोड़ते हुए विरोध प्रदर्शन किया और निष्पक्ष जांच की मांग की।

मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात बहाल कराया। पुलिस फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और कॉल विवरण रिकॉर्ड के आधार पर मामले की गहराई से जांच कर रही है।

एलपीयू में ...

वहीं, जो छात्र विश्वविद्यालय के छात्रावास में रहेंगे, उन्हें छात्रावास या अपने निवास स्थान पर रहने तथा अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने जांच शुरू की

पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित दुष्कर्म की सूचना के बाद छात्रों में आक्रोश फैला और प्रदर्शन शुरू हुआ। उपलब्ध रिपोर्टों में पुलिस अधिकारियों की ओर से कथित घटना की पुष्टि न होने की बात भी कही गई है, जबकि बाद की रिपोर्टों में मामले की जांच और प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस पूरे मामले, सोशल मीडिया पर प्रसारित दावों और परिसर में हुई हिंसा की अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज का 9 दिवसीय भव्य जयन्ती-अग्र डांडिया उत्सव

श्री अग्रसेन जयन्ती पर अनूठा आयोजन, समाज को जोड़ने और सदस्यता बढ़ाने पर जोर

बहनों-बेटियों के लिए सुरक्षित एवं पारिवारिक वातावरण रहेगा विशेष आकर्षण

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अग्रसेन महाराज की जयन्ती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से भव्य जयन्ती-अग्र डांडिया उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव लगातार 9 दिनों तक आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, तेलंगाना में पहली बार इस स्तर और स्वरूप का ऐसा 9 दिवसीय डांडिया आयोजन किया जा रहा है।

यह उत्सव केवल डांडिया और मनोरंजन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका उद्देश्य अग्रवाल समाज के अधिक से अधिक परिवारों एवं सदस्यों को एक मंच पर जोड़ना, समाज की सदस्यता बढ़ाना तथा नई पीढ़ी को समाज की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ना भी है। आयोजन को सामाजिक मिलन और सामूहिक सहभागिता का माध्यम बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

विशेषाधिकार कार्ड से होगा प्रवेश

उत्सव में प्रवेश विशेषाधिकार कार्ड के माध्यम से होगा। सभी 9 दिनों के दौरान आगंतुकों के लिए प्रतिदिन प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। प्रसाद की व्यवस्था ए-प्लस श्रेणी के भोजन व्यवस्था संचालकों द्वारा की जाएगी।

फिल्मी हस्तियों की सहभागिता की तैयारी

उत्सव को और आकर्षक बनाने के लिए देश की लोकप्रिय फिल्मी हस्तियों को भी इससे जोड़ने की तैयारी की जा रही है। कलाकारों के विशेष वीडियो संदेश एवं सहभागिता के लिए संपर्क और समन्वय किया जा रहा है।

इस क्रम में प्रमुख नामों में हेमा मालिनी, नोरा फतेही, दिशा पाटनी, आयशा खान (शरारत गीत से चर्चित, धुरंधर-2), द ग्रेट खली, राकेश बेदी (धुरंधर-2), गोविंदा, भाग्यश्री, पायल राजपूत, निधि अग्रवाल, हेब्बा पटेल एवं अन्य लोकप्रिय फिल्मी हस्तियां शामिल हैं।

आयोजन में समाज की बहनों और बेटियों के लिए सुरक्षित, गरिमापूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजकों का उद्देश्य है कि महिलाएं और युवतियां अपने परिवार एवं समाज के साथ पूरे उत्साह और निर्भीकता से इस उत्सव में सहभागी बन सकें।

9 दिवसीय इस आयोजन को एक बड़े सामाजिक मिलन समारोह के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। समाज की विभिन्न शाखाओं और क्षेत्रों से जुड़े परिवारों को एक मंच पर लाकर आपसी संपर्क, सहभागिता और समाज के प्रति जुड़ाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजकों के अनुसार, नए सदस्यों को समाज से जोड़ना, मौजूदा सदस्यों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना तथा युवा पीढ़ी में समाज के प्रति जुड़ाव एवं जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना इस आयोजन के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल के नेतृत्व में कार्यक्रम की तैयारियां चल रही हैं। समाज के पदाधिकारी, विभिन्न शाखाएं एवं कार्यकर्ता मिलकर इस 9 दिवसीय उत्सव को भव्य, व्यवस्थित और परिवार-केंद्रित बनाने में जुटे हुए हैं।

आयोजकों ने समाज के सभी सदस्यों से अपील की है कि वे विशेषाधिकार कार्ड के माध्यम से इस 9 दिवसीय उत्सव में परिवार सहित सहभागी बनें, अपने मित्रों एवं समाज के अन्य परिवारों को जोड़ें तथा श्री अग्रसेन महाराज की जयन्ती को सामूहिक उत्साह एवं उमंग के साथ मनाएं।

जयन्ती-अग्र डांडिया उत्सव की विशेषताएं

9 दिन। विशेषाधिकार कार्ड से प्रवेश। प्रतिदिन प्रसाद। भव्य डांडिया । सांस्कृतिक कार्यक्रम। फिल्मी हस्तियों की सहभागिता। परिवार एवं समाज का उत्सव ।

आयोजकों के अनुसार, यह उत्सव समाज को जोड़ने, सदस्यता बढ़ाने तथा बहनों-बेटियों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक विशेष पहल है।

अग्रवाल समाज महिला एवं युवा प्रतिभा समिति का स्पॉटलाइट 2 अक्टूबर को

5 से 25 वर्ष तक के बच्चों को मिलेगा प्रतिभा प्रदर्शन का मंच

पेंटिंग, नृत्य, गायन और वाद्ययंत्र प्रतियोगिताओं में बच्चे दिखाएंगे हुनर

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की महिला एवं युवा प्रतिभा समिति की ओर से बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से स्पॉटलाइट कार्यक्रम का आयोजन 2 अक्टूबर को किया जाएगा। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की चेयरमैन रिंकू गर्ग, वाइस चेयरमैन कविता गोयल एवं सुशीला केड़िया उपस्थित रहीं। पोस्टर विमोचन के दौरान अग्रवाल समाज तेलंगाना की महामंत्री डॉ. सीमा जैन एवं प्रतीक नसरिया भी उपस्थित थे।

स्पॉटलाइट कार्यक्रम में 5 से 25 वर्ष तक के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाएगा। कार्यक्रम में पेंटिंग, नृत्य, गायन एवं वाद्ययंत्र सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

सभी प्रतिभागी बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए विशेष मंच प्रदान किया जाएगा तथा विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। ङ्गप्रथम आओ, प्रथम पाओफ के आधार पर प्रारंभिक प्रतिभागियों के लिए विशेष उपहार की भी व्यवस्था की गई है।

पेंटिंग प्रतियोगिता से होगा कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे पेंटिंग प्रतियोगिता से होगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे से नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात गायन एवं वाद्ययंत्र की प्रस्तुतियां तथा प्रतियोगिताएं निर्धारित समय के अनुसार आयोजित की जाएंगी।

यह कार्यक्रम क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगा। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने समाज के सभी सदस्यों से अपने बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में सहभागी बनाने का आह्वान किया है।

बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का प्रयास

समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि आज के बच्चे ही आने वाले भविष्य के निर्माता हैं। महाराजा अग्रसेन जयंती के विशेष अवसर पर बच्चों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को पहचानने, प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्पॉटलाइट के माध्यम से बच्चों को अपनी रचनात्मकता और हुनर को समाज के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक बच्चे दिए गए पंजीकरण लिंक के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण के लिए कार्यक्रम की चेयरमैन रिंकू गर्ग से भी संपर्क किया जा सकता है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने अधिक से अधिक बच्चों से इस प्रतिभा उत्सव में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

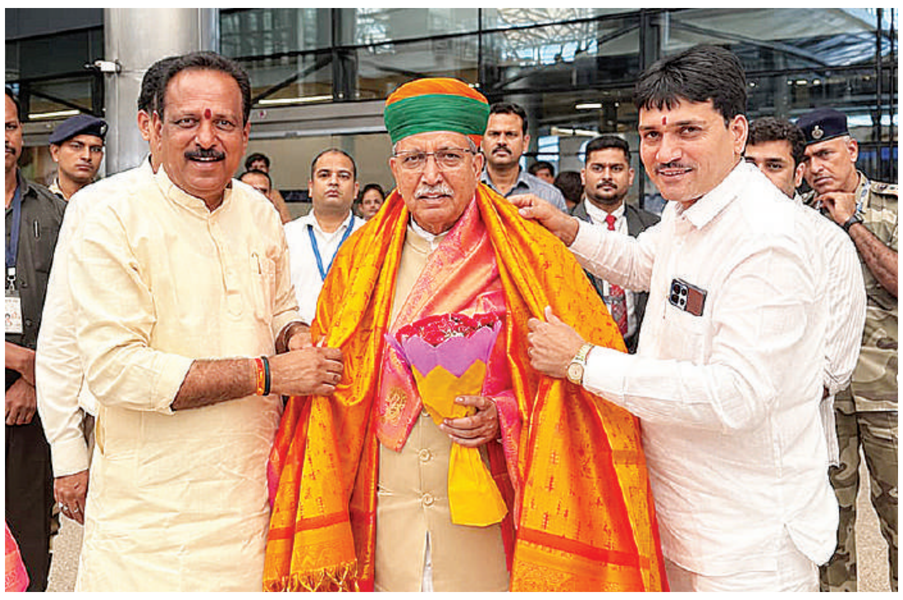

नगर पधारे केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम जी मेघवाल का स्वागत करते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी एवं नरसिम्हा रेड्डी।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा पोचमपल्ली हैंडलूम वीवर्स को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के सहयोग से कोंडा लक्ष्मण बापूजी की जयंती की स्मृति में यादाद्री भुवनगिरी स्थित भूदान पोचमपल्ली में 173वां निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 313 से अधिक लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल, हाईटेक सिटी की ओर से सामान्य चिकित्सा, हृदय रोग, हड्डी रोग विशेषज्ञ की सेवाओं के साथ ईसीजी, 2डी इको, रक्तचाप एवं आरबीएस जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जगदीश, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. साई किरण, सामान्य चिकित्सक डॉ. लिडिया सहित नर्सिंग स्टाफ गार्गी, अमृता, ललिता, मनसा, प्रिया, प्रियंका एवं नव्या, 2डी इको तकनीशियन स्वाति सहित वी. श्रीनिवास, वामशी रेड्डी एवं कुमोद ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम नेत्र अस्पताल, दोमलगुडा की ओर से 193 लोगों की नेत्र जांच की गई। इनमें 125 लोगों को चश्मे वितरित किए गए, जबकि 9 रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए भेजा गया। इस अवसर पर के. विजय लक्ष्मी, रह जलालो, वंदना, के. भास्कर एवं साई ने सेवा प्रदान की। इस अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी. पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के सदस्य एवं शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता एवं निखिल राणासरिया ने सहयोग किया।स्थानीय भागीदार पोचमपल्ली हथकरघा बुनकर सहकारी सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष भरत लवकुमार, उपाध्यक्ष सीता श्रीशैलम, सचिव सुरेपाली श्रीनिवास, कोषाध्यक्ष कोडी भिक्षापति तथा समिति सदस्यों कदवेर चंद्रमौली, गंजी बसवलिंगम, भरत वासुदेव, महेश्वरम् नागमणि, पलाडी ज्योति एवं प्रबंधक रुद्र अंजनेयुलु ने भी शिविर के आयोजन में सहयोग प्रदान किया।स्वयंसेवकों अजय तुलस्यान, सरला अग्रवाल, सुनैना नरसरिया एवं अरुणा तुलस्यान के साथ समाजसेवी टी. गोपाल सिंह तथा पित्ती लेमिनेसन के सदस्यों ने भी शिविर में सहयोग किया।

श्री गोपाल गौशाला के नए चेयरमैन बने महावीर प्रसाद अग्रवाल

सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन, सतबीर गर्ग वाइस चेयरमैन और अर्जुन गोयल मैनेजिंग ट्रस्टी बने

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गोपाल गौशाला की साधारण सभा का आयोजन 26 सितंबर 2026 को तिलक रोड स्थित होटल अमृतसर हवेली में किया गया। सभा का शुभारंभ गौमाता की पूजा-अर्चना एवं गौमाता के स्मरण के साथ हुआ।

सभा में चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने उपस्थित सभी सदस्यों एवं ट्रस्टियों का अभिनंदन करते हुए उनका स्वागत किया तथा श्री गोपाल गौशाला की गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने गौशाला की वर्तमान आर्थिक स्थिति, प्रबंधन व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का विस्तृत ब्यौरा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। गौशाला की वर्तमान स्थिति पर सभी ट्रस्टियों ने संतुष्टि जाहिर की तथा गौशाला के संचालन में सभी ट्रस्टियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

सभा में बताया गया कि श्री गोपाल गौशाला में वर्तमान में लगभग 600 गौवंश एवं नंदियों की सुचारू रूप से देखभाल एवं व्यवस्था की जा रही है। इसके पश्चात कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से पारित किया।

नई कार्यकारिणी का गठन

सभा के अगले चरण में चुनाव प्रक्रिया को लेकर चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने सभी सदस्यों एवं ट्रस्टियों से आगे आकर गौशाला की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान किया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि वर्तमान पदाधिकारी गौशाला का कार्य अच्छे ढंग से कर रहे हैं, इसलिए उन्हें ही आगे जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

इस अवसर पर ट्रस्टी सुरेश बंसल ने सुझाव दिया कि वर्तमान मैनेजिंग ट्रस्टी अथवा वाइस चेयरमैन को चेयरमैन का दायित्व सौंपते हुए रिक्त होने वाले पद पर किसी अन्य ट्रस्टी को जिम्मेदारी दी जाए। उपस्थित सभी ट्रस्टियों ने महावीर प्रसाद अग्रवाल को चेयरमैन बनाए जाने का प्रस्ताव रखा, जिसे महावीर प्रसाद अग्रवाल ने संस्था एवं सभी सदस्यों की इच्छा को स्वीकार करते हुए सहर्ष स्वीकार किया।

इसके बाद सर्वसम्मति से सतबीर गर्ग को वाइस चेयरमैन, अर्जुन गोयल को मैनेजिंग ट्रस्टी, विनोद गर्ग को कोषाध्यक्ष तथा पी. कृष्णा यादव को संयुक्त मैनेजिंग ट्रस्टी चुना गया। नवनिर्वाचित चेयरमैन महावीर प्रसाद अग्रवाल ने पूर्व चेयरमैन तुलसीराम बंसल को सलाहकार मनोनीत किया। साथ ही प्रवीण कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल (बेगमपेट) एवं महेश गिडवानी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित चेयरमैन महावीर प्रसाद अग्रवाल ने सभा को बताया कि आने वाले तीन वर्षों में ट्रस्टियों में से पांच सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल कर उन्हें गौशाला के विभिन्न दायित्वों एवं कार्यों की जिम्मेदारी संभालने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि संस्था में कार्य की निरंतरता एवं नई जिम्मेदारियों का विकास बना रहे।

ट्रस्टियों के परिवारजनों को भी गौसेवा से जोड़ने का निर्णय

सलाहकार तुलसीराम बंसल की सलाह पर सभा में यह महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया गया कि जो ट्रस्टी शारीरिक परेशानी अथवा अन्य कारणों से गौशाला के कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग नहीं कर पा रहे हैं, वे अपने परिवार से किसी एक सदस्य का नाम प्रस्तावित कर सकते हैं। ऐसे परिवारजनों को गौशाला की सेवा एवं कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सभा के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों एवं ट्रस्टियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभा का समापन किया गया।

सभा में महावीर प्रसाद अग्रवाल, अर्जुन कुमार गोयल, राजेश कुमार अग्रवाल, सतबीर गर्ग, पी. कृष्णा यादव, प्रवीण कुमार अग्रवाल, नरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, तुलसीराम बंसल, सुरेश कुमार गोयल, महेश गिडवानी, जयचंद्रा जी, लक्ष्मी काबरा, श्यो कुमार दालमिया, सतीश कुमार गोयल, श्रीकृष्ण अग्रवाल, इंदरमल अग्रवाल, वेदप्रकाश अग्रवाल, गयासीलाल सिंघानिया, नरेश कुमार चौधरी, सुरेश गुप्ता, सुरेश कुमार बंसल एवं सुनील कुमार बंसल सहित अन्य गौभक्त एवं सदस्य उपस्थित रहे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अयोध्या राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल की सेवाएं अविस्मरणीय

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 27 सितंबर 2026 से 27 सितंबर 2027 तक विश्वभर में अशोक सिंघल शत-ाब्दी वर्ष समारोह भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता एवं अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अशोक सिंघल के जीवन और कार्यों को स्मरण करते हुए रविवार को बरकतपुरा स्थित हिमालय परिवार कार्यालय में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अशोक सिंघल के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने कहा कि अशोक सिंघल का जीवन प्रत्येक हिंदू के लिए आदर्श है। हिंदू समाज और धर्म के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।बालस्वामी ने कहा कि अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप देने में अशोक सिंघल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उन्होंने हिंदू समाज के साधु-संतों, पीठाधीश्वरों, मठाधीश्वरों और धर्माचार्यों को एक मंच पर लाकर धर्मकार्य को संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हुआ तो मेरा जीवन अधूरा है इस संकल्प के साथ अशोक सिंघल ने जीवन के अंतिम क्षण तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को समर्पित होकर कार्य किया। व्यक्तिगत हितों और सुख-सुविधाओं से दूर रहकर उन्होंने हिंदू समाज के हित को अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य बनाया।

बालस्वामी ने कहा कि देशभर में भ्रमण करते हुए अशोक सिंघल ने साधु-संतों, मठाधीश्वरों और पीठाधीश्वरों के साथ समन्वय स्थापित किया तथा सामान्य हिंदुओं को भी धर्मकार्य से जोड़ने के लिए अथक प्रयास किए। हिंदू समाज में एकता, धार्मिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल का जीवन केवल एक व्यक्ति का जीवन नहीं, बल्कि धर्म के लिए समर्पित जीवन का प्रेरणादायी उदाहरण है। समर्पण, त्याग और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले व्यक्तित्व के रूप में अशोक सिंघल सदैव स्मरण किए जाएंगे।

बालस्वामी ने कहा कि प्रत्येक हिंदू अपने स्तर पर धर्मकार्य में सहभागी बने और समाजसेवा के लिए आगे आए। यही अशोक सिंघल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद, भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता तथा हिंदू समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। विश्व हिंदू परिषद प्रचार विभाग टोली के सदस्य चिलुकुरी अखिलेश, बीडील लक्ष्मण, भारतीय जनता पार्टी के नेता एस.एस. रामू, अक्षय सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता एवं प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

महाशिवपुराण कथा के साथ चातुर्मास का समापन

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बोईनपल्ली स्थित बापूजी नगर में गेहलोत, सोलंकी एवं पंवार परिवार के निवास पर आयोजित महाशिवपुराण कथा के साथ गुरुदेव महंत भवरगिरीजी महाराज के सानिध्य में द्वैमासिक साधना भक्तिरस चातुर्मास का श्रद्धापूर्वक समापन हुआ। कथा वाचक स्वामी हीरपुरीजी एवं मोतीपुरीजी के सानिध्य में दो माह तक ज्ञान, भक्ति एवं सत्संग की धारा प्रवाहित हुई।

स्वामी हीरपुरीजी महाराज ने श्रीरामकथा, श्री भक्तमाल कथा, कृष्ण लीलामृत एवं नानी बाई रो मायरो सहित विभिन्न धार्मिक कथाओं का मारवाड़ी भाषा में वाचन किया। समापन अवसर पर संस्कार, भक्ति, पारिवारिक प्रेम एवं सदाचार का संदेश दिया गया। संतों की विदाई के दौरान श्रद्धालु भावविह्वल हो गए और भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर रुघाराम गेहलोत, मंगनाराम गेहलोत, मांगीलाल सोलंकी, नेमाराम पंवार, ताराराम पंवार, जगदीश गेहलोत, आईजी बाल संस्कार केंद्र अध्यक्ष जीवाराम हांबड़, पारसीगुटा वडेर उपाध्यक्ष रमेश पंवार, दलाराम भायल सहित मारवाड़ी हरि भक्त महिला मंडल एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

कोरेमुला स्थित श्री आई माताजी मंदिर में आयोजित श्री खेतलाजी भैरूजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए टीलाराम परिहारिया, मोहनलाल भायल एंड पार्टी। इस अवसर पर अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, देवाराम परिहारिया व अन्य उपस्थित थे।

नवभारत नगर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने लगाया निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

हैदराबाद, 28 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना एवं बेस्ट विजन ऑप्टिकल्स के तत्वावधान में महीने भर चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को नवभारत नगर, गुट्टालाबेगमपेट, माधापुर में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों लोगों ने निशुल्क नेत्र जांच, दृष्टि परीक्षण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श का लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने किया। इस अवसर पर द वुमेन्स ऑफ ग्रीन पीस एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं भाजपा की राज्य नेत्री श्रीमती जुबेदा बेगम सहित भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना ही सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह अभियान ङ्गसेवा ही संगठनफ की भावना को दर्शाता है और समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि ङ्गसबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वासफ की भावना के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। स्थानीय नागरिकों ने निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर के आयोजन की सराहना की।

निस्वार्थ सेवा ही सच्चा संकल्प :जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को अन्नदान कर मानव सेवा और निस्वार्थ समर्पण का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने पूरे सेवाभाव के साथ अन्नसेवा में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ सेवा ही सच्चा संकल्प है। किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना और उसके जीवन में थोड़ी राहत पहुंचाना ही सेवा का सबसे बड़ा उद्देश्य होना चाहिए।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरसुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, दीप चंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय एवं अरुण विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अन्नसेवा में सहयोग करते हुए सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

राधे-राधे ग्रुप की ओर से कहा गया कि सेवा का यह क्रम केवल अन्न बांटने का कार्य नहीं, बल्कि समाज में मानवता और अपनत्व बांटने का अभियान है। जब एक जरूरतमंद को भोजन मिलता है और उसके चेहरे पर संतोष की मुस्कान आती है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। इसी भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित अन्न-सेवा को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

स्वामीवात्सल्य कार्यक्रम भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री स्थानकवासी जैन संघ, सिकंदराबाद के तत्वावधान में पूज्य महासतीजी आदि ठाणा-2 की शुभनिश्रा में रविवार, 27 सितंबर को सिख विलेज, सिकंदराबाद के पास स्थित श्री जैन दादावाड़ी में स्वामीवात्सल्य कार्यक्रम भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। संघ के ट्रस्टी हेमांशु राय पारेख ने बताया कि लिंबड़ी अजरामर संप्रदाय के गच्छाधिपति आचार्य भगवंत प. पू. श्री भावचंद्रजी स्वामी म.सा. तथा प. पू. गुरुणीश्री रश्मिनाजी महासतीजी की सुशिष्या प. पू. महासतीजी सुपर्णाकुमारीजी एवं सिद्धांशीकुमारीजी महासतीजी आदि ठाणा-2 की चातुर्मास शुभनिश्रा में श्री स्थानकवासी जैन संघ संचालित मातुश्री दयाकुंवर बापालाल दोमड़िया उपाश्रय में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

हेमंत दोमड़िया ने बताया कि स्वामीवात्सल्य का लाभ शेठ श्री हंसराजभाई अमरशीभाई महेता के हस्ते चंद्रकांतभाई, अनिलभाई, मुकेशभाई, अपूर्वाभाई एवं समस्त महेता परिवार की ओर से रखा गया। कार्यक्रम में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, मैनेजिंग ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष तरुण महेता, समाजसेवी प्रकाश वोरा सहित हेमांशु राय पारेख, सुबोध बेंकर, कमलेश शाह, सुरेश शाह, अतुल वोरा, मनीष मोदी, संजय महेता, चातुर्मास समिति के अपूर्वा महेता, दिलीप महेता, हेमंत दोमड़िया, अतुल ढोलकिया, दिलीप शाह, मनोज महेता, मुकेश देसाई, राजेश पतिरा, सुधांशु पारेख, उमेश सेठ, प्रकाश वोरा आदि उपस्थित रहे।

एनएमडीसी के लिए सावन बरवाल की उपलब्धि विशेष गर्व है

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सावन बरवाल ने एशियाई खेलों की मैराथन में रजत पदक जीतकर न सिर्फ एनएमडीसी को बल्कि पूरे भारत को गौरवान्वित किया है । उल्लेखनीय है कि 1982 के बाद इस प्रकार की विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले वे पहले भारतीय हैं। हिमाचल प्रदेश के 28 वर्षीय सेना में सेवारत इस एथलीट ने तय की गई दूरी मात्र 2:11:37 समय में पूरी की। श्री बरवाल से पहले, श्री होसुर कुकप्पा सीथरन ने नई दिल्ली में आयोजित एशियाई खेलों के 1982 संस्करण में कांस्य पदक जीता था। एनएमडीसी श्री बरवाल को बड़े मंच के लिए उनकी तैयारी के दिनों में सहयोग व समर्थन देने में गर्व महसूस करता है।

श्री बरवाल की सफलता एनएमडीसी द्वारा इस प्रकार की प्रतिभा पहचान और इकोसिस्टम के प्रोत्साहन व प्रोन्नत करने का एक प्रमाण है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि एनएमडीसी काफी लंबे समय से कबड्डी, मुक्केबाजी(बॉक्सिंग), क्रिकेट और फुटबॉल में इच्छुक एथलीटों के लिए खेल संवर्धन और व्यक्तिगत प्रायोजन में सबसे आगे रहा है। यह कई वर्षों से हैदराबाद मैराथन का टाइटल स्पांसर भी रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री के फिट इंडिया विजन के अनुरूप, एनएमडीसी देश के युवाओं की शारीरिक और मानसिक शक्ति को बढ़ाने के लिए गैमिफाइड वाकाथॉनों, खेल टूर्नामेंट और योग कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देता है। हाल ही में संपन्न एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन में, एनएमडीसी ने बस्तर के 170 एथलीटों को प्रायोजित किया। इनमें से एक युवा एथलीट , श्री फुल्धर नेताम ने फुल मैराथान अर्थात 42कि.मी. की दौड़ की ओपन श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सेवा गुरु-आज्ञा में रहकर निष्काम भाव से की जाए तभी जीवन में सार्थक फल देती है : रेणुका भारती

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 27 सितंबर 2026 को मोदी भवन, एमआईजी-78, हुडा कॉलोनी, किशन बाग, हैदराबाद में किया गया। कार्यक्रम में ङ्गसेवा का महत्वफ विषय पर आध्यात्मिक विचार प्रस्तुत किए गए।

सत्संग में परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या सुश्री रेणुका भारती जी ने सेवा के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कहा, सेवा एक दिव्य सेतु है, जिसका एक सिरा मनुष्य के इस दुख-सुख से भरे संसार में और दूसरा सिरा गुरु के धाम से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल बाहरी कार्य नहीं, बल्कि गुरु के प्रति निष्ठा, आस्था, समर्पण और निष्काम भाव की अभिव्यक्ति है।

उन्होंने गुरु-शिष्य संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार शिष्य अपना सर्वस्व गुरु को समर्पित करता है, उसी प्रकार गुरु भी अपने शिष्य के कल्याण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन-प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने सेवा, समर्पण और गुरु-आज्ञा के महत्व को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहीं सुश्री भावना भारती जी ने कहा कि सेवा के लिए दो प्रमुख शर्तें आवश्यक हैं। पहली, सेवा गुरु की आज्ञा में रहकर की जाए और दूसरी, उसे निष्ठा, आस्था, समर्पण एवं निष्काम भाव से किया जाए। उन्होंने कहा कि साधक को गुरु-आज्ञा रूपी किले में रहकर उसी मर्यादा के अंतर्गत गुरु की सेवा करनी चाहिए।

कार्यक्रम में मधुर भजनों की प्रस्तुति, सत्संग तथा आरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया।

गोविंद नारायण राठी 54वें रामायण मेले के प्रधान संयोजक मनोनीत

हैदराबाद, 27 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल की अध्यक्षता में फोन पर आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से गोविंद नारायण राठी को 54वें रामायण मेले का प्रधान संयोजक मनोनीत किया गया। रामायण मेला 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक एक्जीबिशन मैदान में एक्जीबिशन सोसाइटी एवं इकनॉमिक कमेटी के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

बैठक में डॉ. राम बिलास साबू, लक्ष्मीनिवास शर्मा, रमेश कुमार बंग, शकुंतला राठी, कलावती जाजू, रामनारायण काबरा, प्रेमचंद शर्मा एवं शंकरलाल बंग सहित कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने कहा कि गोविंद नारायण राठी के संयोजन में पिछले वर्षों से रामायण मेले की सफलता एवं विस्तार में निरंतर वृद्धि हुई है।

गोविंद नारायण राठी ने मनोनयन पर राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्यों एवं रामायण मेला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए मेले को भव्य एवं सफल बनाने का विश्वास दिलाया। उन्होंने बताया कि 53 वर्ष पूर्ण कर चुका रामायण मेला इस वर्ष 54वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। मेले में कवि सम्मेलन, डांडिया, प्रश्न मंच, श्रीराम का राज्याभिषेक एवं रावण दहन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि 54वें रामायण मेले की प्रथम बैठक 30 सितंबर को दोपहर 4 बजे राजस्थानी प्रगति समाज के कार्यालय में आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। उन्होंने सभी हिंदू समाजबंधुओं से बैठक में शामिल होकर रामायण मेले को भव्य एवं सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

बेगमपेट में भाजपा नेता सपना गुप्ता का जन्म दिन मनाया गया। अवसर पर भाजपा नेता को किरन मैनेजर ने उनका सम्मान किया।

निस्वार्थ सेवा से जुड़ रहा हर वर्ग : विमल किशोर संघी

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राधे-राधे ग्रुप के सदस्य शामिल हुए और श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विमल किशोर संघी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इससे हर वर्ग और हर समाज के लोग जुड़ रहे हैं। यहां किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है, बल्कि सभी सदस्य एक परिवार की भावना के साथ मिलकर सेवा कार्य में सहभागी बनते हैं। उन्होंने कहा कि जहां निस्वार्थ भाव से सेवा की जाती है, वहां सेवा केवल एक सामाजिक कार्य नहीं रह जाती, बल्कि वह ईश्वर की आराधना का माध्यम बन जाती है। विमल किशोर संघी ने कहा कि जीवन में सेवा करने का अवसर हर किसी को हमेशा नहीं मिलता। यह भी ईश्वर की कृपा है कि हमें किसी जरूरतमंद के काम आने और उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का अवसर प्राप्त हो। मनुष्य के जीवन की सार्थकता तभी है, जब वह अपनी क्षमता के अनुसार समाज और मानवता के लिए कुछ करने का प्रयास करे। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नसेवा के माध्यम से इसी भावना को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, शंकर अग्रवाल केडिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गोपाल गोयल, सुरेश सिंघल, विमल किशोर सांघी, नयन सांघी, जगन गुप्ता, नंदगोपाल, जितेंद्र एवं किशन पॉल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.